www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
4 नवम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 174 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

केदारताल ट्रैक पर दो पर्वतारोहियों के शव मिले, अन्य छह लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी



देहरादून। केदारताल ट्रैक पर फंसे आठ ट्रैकर्स की तलाश में जुटी एसडीआरएफ की टीम को दो शव मिले हैं। जिनमें एक महिला और दूसरा पुरुष है। अन्य छह लोगों को ढूंढने के लिए नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) व एसडीआरएफ की हाई एल्टीट्यूड रेस्क्यू टीम ने अभियान जारी रखा है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि एसडीआरएफ को दो शव मिले हैं। पांच दिन पूर्व केदारताल ट्रैक पर कच्ची ढांग के समीप फंसे आठ ट्रैकर्स की तलाश करने के लिए एसडीआरएफ व निम की टीम ने मौसम खुलने पर मंगलवार को समुद्रतल से करीब चार हजार मीटर की ऊंचाई पर रेस्क्यू अभियान चलाया। इस दौरान टीम को एक महिला और एक पुरुष का शव मिला। यह शव फंसे हुए ट्रैकर्स के ही बताए जा रहे हैं। बुधवार को दोनों शवों को हेलिकॉप्टर के माध्यम से हर्षिल हेलीपैड लाया जाएगा। वहीं, दो शवों के मिलने के बाद अब अन्य लोगों के जीवित होने की संभावनाएं भी धूमिल होती नजर आ रही है।

गुलदार ने बच्ची को बनाया अपना निवाला

बच्ची की मौत पर भड़का ग्रामीणों का गुस्सा, वन मंत्री के खिलाफ की नारेबाजी



पौड़ी,कोटद्वार। पौड़ी के खांड्यूंसैंड में गुलदार ने मंगलवार की शाम को करीब 6 बजे पांच वर्षीय मासूम आरुषि पुत्री कृष्ण कुमार को निवाला बना दिया। बच्ची की मौत के बाद क्षेत्र में शोक के साथ भारी आक्रोश है। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने वन विभाग और शासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए वन मंत्री सुबोध उनियाल तथा मौके पर पहुंचे विधायक राजकुमार पोरी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने वन मंत्री पौड़ी आओ के नारे लगाते हुए कहा कि पौड़ी जनपद में गुलदार के हमलों की लगातार घटनाएं हो रही हैं। कई परिवार इन घटनाओं से प्रभावित हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद वन मंत्री ने अब तक पौड़ी पहुंचकर हालात का जायजा तक नहीं लिया। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि आखिर पहाड़ के लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा और वे कब तक जंगली जानवरों के खौफ में जीने को मजबूर रहेंगे। मौके पर पहुंचे विधायक राजकुमार पोरी को भी ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। लोगों ने कहा कि केवल घटना के बाद आश्वासन देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और वन्यजीवों के आतंक पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए ठोस कार्रवाई जरूरी है।इधर, डीएफओ गढ़वाल महातिम यादव ने बताया कि गुलदार को आदमखोर घोषित करने के लिए मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक को पत्र भेज दिया गया है। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है और घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को दे दी गई है।

सनेह क्षेत्र में गुलदार ने सात साल की बच्ची पर किया हमला

कोटद्वार, सनेह क्षेत्र में देर शाम गुलदार ने करीब छह से सात साल की बच्ची सान्वी पर हमला कर घायल कर दिया। बच्ची की गर्दन पर घाव हैं। सूचना मिलते ही पहुंचे लोगों ने बच्ची को बेस अस्पताल कोटद्वार पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल बच्ची को भर्ती किया जा रहा है।

एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते

सुप्रीम कोर्ट बोला-प्रदर्शन एक का नहीं,सबका अधिकार

कहा-रोजगार और कारोबार का ध्यान रखना भी है जरूरी



- दिल्ली में हुए प्रदर्शनों को लेकर सीजेआई की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने विरोध प्रदर्शनों, लोगों को बड़ी संख्या में हिरासत में लेने, पुलिस की बर्बरता, मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और इंटरनेट बंद किए जाने के खिलाफ व्यापारियों की याचिकाओं पर आज मंगलवार को सुनवाई की। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, आप किसी जगह पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकते।

अन्य प्रदर्शनकारी भी हैं। किसान या वकील कहां जाएंगे। हर किसी को विरोध करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी पिछले महीने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विपक्षी दलों और अन्य लोगों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के खिलाफ किए गए बड़े विरोध प्रदर्शन की सुनवाई के दौरान आई, जब उस जगह से विरोध प्रदर्शन स्थल का दर्जा हटाए जाने की प्रक्रिया चल रही थी। सुप्रीम कोर्ट में व्यापारिक संगठनों ने याचिका दायर की, जिसमें बताया कि विरोध प्रदर्शनों की वजह से उनका काफी नुकसान हो रहा है। कोर्ट ने व्यापारियों के संगठनों से कहा है कि वे एंटी-सरकार विरोध प्रदर्शन के आयोजकों को भी अपनी याचिका में पक्षकार बनाएं। विरोध प्रदर्शन के चलते व्यापारियों की स्थिति बताते हुए उनके वकील ने कोर्ट से कहा, विरोध स्थल के आस-पास के इलाकों में 50 लाख लोग रहते हैं। सभी दुकानें बंद हैं और आज कनॉट प्लेस में कोई नहीं है।

सरकार के शीर्ष वकील तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि जो कोई भी विरोध प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे अपने कार्यों के नतीजों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

व्यापारियों ने कहा-त्योहारों में 2000 करोड़ का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई। उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक किसी भी तरह के प्रदर्शन या धरने पर रोक लगाने की मांग की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली पुलिस की ओर से कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए सिर्फ एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिन तक वहां बैठे रहे। मेहता ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति संसद की ओर मार्च भी किया। संसद देश की संप्रभुता का प्रतीक है। बिना अनुमति संसद या सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि जो संगठन बंद या प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे उसके परिणामों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

अमित शाह से मिले चिरंजीवी व राम चरण

- बोले-एआई और डीपफेक तकनीक से कलाकारों को खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी और उनके बेटे राम चरण ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों कलाकारों ने फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल



इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक के बढ़ते गलत इस्तेमाल पर चिंता जताई। चिरंजीवी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस मुलाकात की जानकारी दी। गृह मंत्री अमित शाह ने उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए सरकार की ओर से सख्त नियम और कड़े दंड का प्रावधान करने का आश्वासन दिया। साथ ही लिखित आवेदन जमा करने की सलाह दी।

मोदी बोले-पहले गरीबी खत्म करने के वादे होते थे,अब जमीनी स्तर पर काम हो रहा

छोटे शहरों को भी विकास के केंद्र के रूप में तैयार करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की कई पीढ़ियों ने गरीबी खत्म करने के वादे सुने हैं। पहले गरीबी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नारों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे खत्म करने के लिए जमीन पर काम हो रहा है। उन्होंने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए। आज दुनिया में भारत की चर्चा दो और वजहों से हो रही है। पहली, दुनिया में मुश्किल हालात के बावजूद भारत सबसे तेज आर्थिक विकास करने वाला देश बना हुआ है। दूसरी, सिर्फ 10 से 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में भी इसका जिक्र किया गया है।



महाराष्ट्र में खराब मौसम से कई किसान परेशान हैं

महाराष्ट्र में खराब मौसम से कई किसान परेशान हैं। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पिछले कुछ सालों में जल संरक्षण के लिए काम हुआ है, लेकिन प्राकृतिक आपदा से किसानों को नुकसान हुआ है। इस मुश्किल समय में एनडीए सरकार किसानों की हर संभव मदद करेगी। देश के सैकड़ों छोटे शहरों को भी विकास के केंद्र के रूप में तैयार करना होगा। इसी सोच के साथ इस साल फरवरी में अर्बन चैलेंज फंड को मंजूरी दी गई थी। केंद्र सरकार इस फंड के लिए 1 लाख करोड़ की मदद दे रही है। पुणे मेट्रो लाइन का निर्माण पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी से हुआ है।

अग्निवीरों के पहले बैच को एक्सटेंशन दे सकती है सरकार

21 नवंबर को खत्म होगा कार्यकाल,दिल्ली में हुई कई हाईलेवल बैठकें



नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार पहले बैच के कुछ अग्निवीरों की चार साल की सेवा पूरी होने के बाद एक्सटेंशन देने पर विचार कर रही है। यह उन अग्निवीरों के अलावा होगा, जिन्हें स्थायी रूप से सेना में शामिल किया जाएगा। पहले बैच की चार साल की सेवा 21 नवंबर को खत्म होगी। इससे पहले स्थायी भर्ती की प्रक्रिया चल रही है और एक्सटेंशन के प्रस्ताव पर फैसला होने की उम्मीद है। सोमवार को सामने आई जानकारी के मुताबिक, इस प्रस्ताव पर पिछले कुछ दिनों में कई हाईलेवल बैठकें हो चुकी हैं। अभी सरकार ने कोई फैसला घोषित नहीं किया है। प्रस्तावित एक्सटेंशन कितने समय का होगा, यह अभी साफ नहीं है। अग्निपथ योजना 2022 में शुरू की गई थी। इसके तहत तीनों सेनाओं के अन्य रैंक में युवाओं की चार साल के लिए भर्ती की जाती है।

जेन-जी आंदोलन पर सुनील आंबेकर बोले-देशहित में होना चाहिए

आरएसएस के 3 साल का एजेंडा तय, 5 मुद्दों पर फोकस

इंदौर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अगले तीन साल सामाजिक समरसता, पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली, कुटुंब प्रबोधन, स्व का भाव और नागरिक कर्तव्य जैसे पांच विषयों पर फोकस करेगा। संघ ने इन्हें पंच परिवर्तन नाम दिया है। शताब्दी वर्ष के दौरान इन विषयों को समाज तक पहुंचाने के लिए गृह संपर्क अभियान, सम्मेलन और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इंदौर में सोमवार को शुरू हुई अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक में इन कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी तीन वर्षों की कार्ययोजना पर मंथन हुआ। बैठक के बाद अखिल भारतीय



प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने जेन-जी आंदोलन से जुड़े सवाल पर कहा कि देश में कोई आवाज उठाता है तो संघ को पक्ष-विपक्ष के नजरिए से क्यों देखा जाता है। उन्होंने कहा कि सभी को ध्यान रखना चाहिए कि आंदोलन देशहित में हो। संघ इस विषय में सतर्क रहता है और आगे भी रहेगा।

महिलाओं और युवाओं को जोड़ने पर चर्चा

शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी रही। बैठक में इस अनुभव के आधार पर महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए नए कार्यक्रमों और उपक्रमों पर विचार किया गया। युवाओं को जोड़ने के लिए शहरों, गांवों और कॉलेज कैंपस में आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा हुई। इनमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और अन्य युवाओं ने हिस्सा लिया था। बैठक के एजेंडे में युवाओं में नशीली दवाओं के बढ़ते चलन पर चिंता और इससे निपटने के प्रयास भी शामिल रहे। आंबेकर ने कहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर प्रयास जरूरी हैं।

देशभर में 1.01 लाख से ज्यादा दैनिक शाखाएं

आंबेकर के मुताबिक, देशभर में संघ की दैनिक शाखाओं की संख्या बढ़कर 1 लाख 1 हजार 151 हो गई है। साप्ताहिक और मासिक मिलन को मिलाकर संघ का काम 1 लाख 10 हजार 849 स्थानों तक पहुंच गया है। पिछले साल अक्टूबर की तुलना में शताब्दी वर्ष के दौरान 13 हजार से अधिक नई दैनिक शाखाएं जुड़ी हैं। बैठक में शाखाओं के विस्तार के प्रयासों और उनके परिणामों की समीक्षा की गई। शाखाओं के साथ साप्ताहिक और मासिक मिलन की गतिविधियों को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर में 65 हजार 660 हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

होर्मुज में भारतीय जहाज पर हमला, एक की मौत

14 भारतीय सवार थे,13 इंडियनों को बचाया गया

ओमान (एजेंसी)। होर्मुज स्ट्रेट में 2 नवंबर को एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ। इसमें गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई। जहाज पर सवार बाकी 13 भारतीयों को ओमान के कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचा लिया। मृतक की पहचान गांधार नाहीम अजीज के रूप में हुई है। जहाज का नाम अल जुसुफी है। हमला कैसे हुआ और किसने किया इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।



हमले के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही और कारोबार बिना किसी रुकावट के जारी रहना चाहिए। ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, इस साल अक्टूबर में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास जहाजों पर 30 से ज्यादा हमले हुए। ईरान-अमेरिका जंग शुरू होने के बाद एक महीने में हमलों की यह सबसे बड़ी संख्या थी।

पहले भी भारतीय नाविकों वाले जहाज पर हमला हुआ था

होर्मुज स्ट्रेट में इससे पहले 29 अक्टूबर को भारतीय नाविकों वाले जहाज को निशाना बनाया गया था। 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर लुईस 1 पर हमला हुआ था। पनामा के झंडे वाले इस जहाज के पास एक छोटी नाव आई थी। उसमें सवार लोगों ने जहाज के बाहरी हिस्से पर दो विस्फोटक चिपका दिए थे और वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोनों विस्फोटकों में धमाका हुआ। इससे जहाज के इंजन रूम में आग लग गई और इंजन कुछ समय के लिए बंद हो गया। हालांकि, क्रू ने आग पर काबू पा लिया।



इंडियन नेवी ने लुटेरों से ईरानी जहाज को बचाया

सोमालिया के लुटेरों ने क्रू के 20 लोगों का अपहरण किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने सोमाली समुद्री लुटेरों के कब्जे से मछली पकड़ने वाला जहाज अजिनी छुड़ा लिया। नौसेना ने जहाज के 20 ईरानी क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाया। यह ऑपरेशन सोमवार को पूरा हुआ। 12 हथियारबंद समुद्री लुटेरों ने गुरुवार को सोमालिया के उत्तर-पूर्वी तट जहाज का अपहरण किया था। मुंबई से 3,000 किमी से ज्यादा दूर चले 48 घंटे के ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने भी मदद की। भारतीय नौसेना ने अजिनी को खोजकर रोका। इसके बाद जहाज और उसके क्रू को समुद्री लुटेरों से छुड़ाया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना को सफल ऑपरेशन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना ने समय पर मदद की। आशंका थी कि लुटेरे इसका इस्तेमाल व्यापारिक जहाजों पर आगे हमले करने के लिए करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, अपहरण के समय जहाज पर 21 ईरानी क्रू सदस्य और दो सोमाली सुरक्षा गार्ड थे। इस तरह जहाज पर कुल 23 लोग सवार थे। अजिनी का अपहरण अदन की खाड़ी और पश्चिमी हिंद महासागर में सोमाली समुद्री लूट की घटनाएं बढ़ने के बीच हुआ। हाल के महीनों में कई व्यापारिक जहाजों पर हमले हुए हैं।

मुंबई से 3000 किमी दूर ऑपरेशन, 48 घंटे चला ऑपरेशन

श्रीनगर से सांसद मेहंदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ी

जनसभा में सांसद पद से इस्तीफे का किया ऐलान

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस से श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहंदी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने संसद की सदस्यता भी छोड़ने का ऐलान किया। मंगलवार

- 24 विधायक भी पार्टी छोड़ने की धमकी दे चुके हैं

को बडगाम में जनसभा करके उन्होंने सार्वजनिक रूप से इस्तीफे पर हस्ताक्षर किए। रूहुल्लाह ने कहा- यह आजादी का फैसला है। मैं एक शहीद की विरासत और पाक खून की नस्ल का प्रतिनिधित्व करता हूं। मैं अपनी आजादी के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। आज दोपहर 2.40 बजे से मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस



का हिस्सा नहीं हूं। उन्होंने बडगाम में पिता आगा सैयद मेहंदी की 26वीं पुण्यतिथि पर जनसभा बुलाई थी। रूहुल्लाह ने बताया कि वे अपना इस्तीफा मुहम्मद अशरफ मट्टू के जरिए पार्टी को भेजेंगे। उन्होंने पार्टी पर लोगों की गरिमा से समझौता करने का आरोप लगाया।

संपादकीय

जनता अब खुद सवाल तय करेगी

सवाल है कोई पार्टी यदि सत्ता में बैठकर भी विपक्ष की तरह लड़ती रहे और विपक्ष में पहुँचकर भी कोई पार्टी खुद को सत्ताधारी समझती रहे तो लोकतंत्र का क्या होगा? पिछले बारह वर्षों की भारतीय राजनीति का यह अजीब किस्सा है। भाजपा सरकार चलाते हुए भी कांग्रेस से ऐसे लड़ती रही मानो देश अभी उसी के कब्जे में हो। कांग्रेस विपक्ष में बैठी रही, लेकिन इस भाव से उबर नहीं पाई कि सत्ता तो उसी की है, बस किसी ने छीन ली है। एक उस सरकार से लड़ती रही जो जा चुकी थी। दूसरी यह मानने को तैयार नहीं हुई कि उसकी सरकार जा चुकी है।सो बार–बार चुनाव हुए। पूरी ताकत से हुए। टेलीविजन पर घमासान लगातार रहा। आरोप लगे, जवाब आए। लेकिन देश की राजनीतिक बहस कितनी आगे बढ़ी? सरकार के पास अपनी कमियों के लिए कांग्रेस थी। कांग्रेस के पास अपनी दुर्दशा के लिए भाजपा। दोनों को एक–दूसरे की जरूरत थी। दोनों इस इंतजाम में सहज भी हो गए।मैं हाल में कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में बार–बार यही बात सोचती हुई थी। दिल्ली से दूर थी। उसके रोज के राजनीतिक शोर से भी। सोचा था, कुछ दिन उससे छुट्टी मिलेगी। लेकिन वहाँ लोगों की बातचीत में राजनीति को लेकर ऐसी उत्सुकता मिली जो दिल्ली में लंबे समय से महसूस नहीं हुई थी। लोग सवाल पूछ रहे थे। केवल नाराजगी में नहीं। जानने की इच्छा से। इस संभावना के उत्साह में कि आगे कुछ बदल भी सकता है। और चर्चा कश्मीर की नहीं, दिल्ली की थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का क्या होगा? सीजेपी में कितना दम है? उसका आंदोलन क्या सचमुच सत्ता प्रतिष्ठान को परेशान कर सकता है? जेन ज़ी का विरोध कुछ दिनों का उबाल है या नौजवानों के भीतर कुछ ज्यादा गहरा पक रहा है? और इन सबके बीच घूमता वह सवाल–क्या भाजपा वाकई उतनी अजेय है जितनी दिखाई देती है?सवालों से अधिक मुझे उन्हें पूछने की सहजता ने चौंकाया। ऐसा नहीं कि सब भाजपा के खिलाफ थे। या सबकी उम्मीद कांग्रेस से थी। किसी को शक था, किसी को उम्मीद। कुछ को शायद इसी संभावना में मजा आ रहा था कि राजनीति का अगला पन्ना अभी लिखा नहीं गया है।आखिर लंबे समय बाद बातचीत में कुछ ऐसा था जिसका जवाब पहले से तय नहीं था।वर्षों से दिल्ली कश्मीर की चर्चा करती आई है। कश्मीर एक समस्या है। उसे समझना है, संभालना है, उसका समाधान करना है। और अब कश्मीर में बैठी मैं सुन रही थी कि लोग दिल्ली को समझने की कोशिश कर रहे हैं। वहाँ क्या चल रहा है? आगे क्या होगा? किसकी कितनी ताकत है? मानो इस बार पहेली दिल्ली हो गई हो।इसे भारतीयों का राजनीतिक गपशप का पुराना शौक मान सकते हैं। लेकिन क्या बात इतनी ही है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हम राजनीति के तयशुदा नतीजों के इतने आदी हो गए हैं कि अनिश्चितता की थोड़ी–सी गुंजाइश भी उत्साह पैदा करने लगी है? जब रोज बताया जाए कि कौन जीतेगा, कौन हार चुका है और किसका कोई भविष्य नहीं है, तब इस धारणा में छोटी–सी दरार भी देखने लायक हो जाती है।

सूक्ति

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्त्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।
– महात्मा गांधी
चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार ख़तरनाक होते हैं।
– सत्यसाई बाबा

आजम खान की गिरफ्तारी: कानून का तकाजा या सियासी टकराव का नया अध्याय?



सौरभ वार्ष्णेय

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें डासना जेल में रखा जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब उनसे पुलिस कस्टडी में पूछताछ के लिए रिमांड लेने की तैयारी कर रहा है। जांच एजेंसी का आरोप है कि जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण और उसके वित्तीय प्रबंधन में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग तथा वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। आजम खान की गिरफ्तारी ने एक बार फिर देश की राजनीति में जांच एजेंसियों की भूमिका, राजनीतिक जवाबदेही और कानून के निष्पक्ष इस्तेमाल को लेकर बहस छेड़ दी है।

लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि होता है। किसी व्यक्ति का राजनीतिक कद कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि उसके विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं या भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं तो जांच होनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्तियों की जवाबदेही आम नागरिकों से कम नहीं, बल्कि अधिक होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि जांच की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधान की मर्यादाओं के अनुरूप हो। किसी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान के आधार पर न तो अपराधी माना जा सकता है और न ही राजनीतिक सहानुभूति के आधार पर आरोपों से मुक्त किया जा सकता है।

आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक चर्चित और प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। रामपुर की राजनीति से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाने वाले आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सांसद के रूप में उनकी राजनीतिक भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके विरुद्ध दर्ज विभिन्न मुकदमों और कानूनी कार्रवाइयों ने उनके राजनीतिक जीवन को लगातार प्रभावित किया है। अब जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई ने उनके सामने एक नई कानूनी चुनौती खड़ी कर दी है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आजम खान लगभग 11 महीने जेल में रहने के बाद शनिवार को रामपुर जेल से बाहर आए थे। लेकिन उनकी रिहाई की खुशी अधिक समय तक नहीं टिक सकी और प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें दूसरे मामले में हिरासत में ले लिया। रविवार को गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब ईडी उनसे जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना, उसके निर्माण में इस्तेमाल धन, फंडिंग के स्रोत और कथित मनी ट्रेल के संबंध में पूछताछ करना चाहती है। यह पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

सबसे पहला सवाल जौहर यूनिवर्सिटी के वित्तीय प्रबंधन का है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। यदि किसी संस्थान को सरकारी सहायता, निजी दान या अन्य वित्तीय स्रोतों से धन मिला है तो उसका पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक और कानूनी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। आखिर धन कहां से आया, किस उद्देश्य से प्राप्त हुआ और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया? इन सवालों का जवाब दस्तावेजों और वित्तीय साक्ष्यों के आधार पर सामने आना चाहिए। यदि सरकारी धन के दुरुपयोग या अवैध लेन-देन के प्रमाण मिलते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी ठहराना न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध होगा।

दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न जांच एजेंसियों की निष्पक्षता और उनकी कार्यप्रणाली से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के अनेक नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद सामने आते रहे हैं। विपक्ष अक्सर आरोप लगाता है कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है, जबकि सरकार और जांच एजेंसियां इन कार्रवाइयों को कानून के तहत की गई जांच बताती हैं। ऐसे में जनता के मन में उठने वाले संदेहों को दूर करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। इसका सबसे प्रभावी तरीका यही है कि जांच एजेंसियां अपने प्रत्येक कदम को ठोस साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर उचित ठहराएं।

आजम खान के मामले में भी समाजवादी पार्टी की ओर से राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन इन आरोपों की सत्यता का फैसला अदालत और उपलब्ध साक्ष्य ही करेंगे। इसी तरह ईडी के आरोपों को भी अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। जांच और मुकदमे के बीच अंतर समझना जरूरी है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का अर्थ दोष सिद्ध होना नहीं है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी बचाव का अधिकार देता है। आजम खान को भी यह अधिकार पूरी तरह मिलना चाहिए।

इस प्रकरण का एक व्यापक पक्ष शिक्षा और सार्वजनिक संस्थानों की विश्वसनीयता से भी जुड़ा है। जौहर यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान केवल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं होते, बल्कि उनसे हजारों विद्यार्थियों और कर्मचारियों का भविष्य जुड़ा होता है। यदि वित्तीय अनियमितताओं के कारण किसी विश्वविद्यालय की गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है। इसलिए जांच के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित अनावश्यक रूप से प्रभावित न हों।

राजनीतिक दलों को भी इस मामले में संयम बरतने की जरूरत है। सत्ता पक्ष को जांच को अपनी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने से बचना चाहिए और विपक्ष को भी हर कानूनी कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज नहीं करना चाहिए। लोकतंत्र में न तो जांच एजेंसियां किसी सरकार की निजी संस्था हैं और न ही राजनीतिक नेता कानून से ऊपर हैं। इसी तरह सरकार को भी यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह जांच के नाम पर किसी नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी करे।

आजम खान का मामला केवल एक नेता की गिरफ्तारी या जेल भेजे जाने तक सीमित नहीं है। यह देश की न्याय व्यवस्था, जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता और राजनीतिक जवाबदेही की कसौटी भी है। ईडी को यदि वित्तीय अनियमितताओं के प्रमाण मिले हैं तो उन्हें अदालत के सामने मजबूती से प्रस्तुत करना चाहिए। आजम खान को भी अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों का कानूनी जवाब देने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। अदालत को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय करना चाहिए।

लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इसी में है कि कानून का तराजू सत्ता और विपक्ष, प्रभावशाली और सामान्य नागरिक के बीच कोई भेदभाव न करे। अपराध साबित होने पर सजा मिले और निर्दोष होने पर सम्मानपूर्वक न्याय। आखिरकार न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि उसकी निष्पक्षता जनता को दिखाई भी देनी चाहिए। आजम खान प्रकरण में भी देश की निगाहें इसी न्यायिक कसौटी पर टिकी हैं।

मिलावटखोरी पर आफत बना शुद्ध ही शुभ है अभियान



मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश में मिलावटखोरों और नकली सामान बेचने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा शुद्ध ही शुभ है अभियान के तहत बड़े पैमाने पर छापेमारी की जा रही है। त्योहारों विशेषकर दीपावली के मद्देनजर शुरू किए गए इस राज्यव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों तक सुरक्षित भोजन और भरोसेमंद स्वास्थ्य उत्पाद पहुंचाना है।

खाद्य सुरक्षा की टीमों ने उत्तर प्रदेश के 38 जिलों और 17 मंडलों में फैले 260 से अधिक दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की है। इसके अलावा, 6 प्रमुख जिलों में 317 से अधिक होटलों और रेस्टोरेंट की गहन जांच की गई।

जांच के दौरान कई नामी प्रतिष्ठानों में हाइजीन (सफाई) की भारी कमी, एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल, कीड़े-मकौड़ों व चूहों का संक्रमण और वेज-नॉनवेज को अलग न रखने जैसी गंभीर लापरवाहियां सामने आईं। कई जगहों पर मिठाइयां खुले में रखी मिलीं और पनीर में स्टार्च मिलाने के मामले भी पकड़े गए।नियमों का उल्लंघन करने पर कई दुकानदारों के लाइसेंस रद्द/निलंबित कर दिए गए हैं। संभल जैसे जिलों में छापेमारी कर करीब 820 किलो मिलावटी रसगुल्ले और 50 लीटर खराब दूध को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

प्रदेश के विभिन्न बाजारों जैसे प्रतापगढ़, संभल, वाराणसी, आगरा, लखनऊ से खोया, घी, पनीर, छैना और सोनपापड़ी के सैकड़ों नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। इसके साथ ही, गुलाब जल के नाम पर नशीले पदार्थ (ड्रग्स) बनाने वाले माफियाओं के खिलाफ भी सरकार ने सख्त एक्शन लिया है

आपको बता दें कि यूपी की राजधानी लखनऊ के नादरगंज स्थित महेश नमकीन प्रतिष्ठान में निरीक्षण के दौरान गंदगी, मकड़ी के जाले, कबूतरों की मौजूदगी और भंडारण संबंधी गंभीर खामियां मिलीं. स्थिति को देखते हुए विभाग ने तत्काल नमकीन उत्पादन पर रोक लगा दी. इसके अलावा 18 अन्य प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने के लिए सुधार नोटिस जारी किए गए. खाद्य पदार्थों और तलने वाले तेल के 19 नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं.हापुड़ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एनएच-9 पर चोटीवाला ढाबे के पास एक वाहन की जांच के दौरान 600 किलोग्राम पनीर बरामद किया. यह पनीर मुरादाबाद से दिल्ली बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था. जांच में पनीर गंदे बर्तनों में अखाद्य बर्फ के साथ अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला. खट्टेपन और दुर्गंध के कारण मिलावट की आशंका पर दो नमूने जांच के लिए लिए गए. शेष 597 किलोग्राम पनीर, जिसकी कीमत लगभग 1.81 लाख रुपये बताई गई, नियमानुसार गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दिया गया.

इसके अलावा हापुड़ जनपद में पिलखुवा क्षेत्र में एक गैर मानकीकृत कारखाने में नकली बंगाली मिठाई बनती पकड़ी गई 650 किलो मिठाई नष्ट करा दी गयी।

रायबरेली में नरेश स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर छापेमारी के दौरान तीन नमूने संग्रहित किए गए. खाद्य सामग्री की गुणवत्ता खराब मिलने पर 348 किलोग्राम बेसन और मिठाई, जिसकी कीमत करीब 48 हजार रुपये थी, मौके पर ही नष्ट कराई गई. साथ ही आवश्यक सुधार होने तक प्रतिष्ठान को बंद करा दिया गया.

रिपोर्ट्स के अनुसार खाद्य सुरक्षा जांच के साथ-साथ विधिक माप विज्ञान विभाग भी त्योहारों के दौरान बाजारों में सक्रिय है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ विशेष अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 2 से 5 नवंबर तक संचालित होगा. विभाग की टीमें मिठाई-गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठानों और पेंट कारोबारियों की जांच कर रही हैं. विशेष रूप से मिठाई के डिब्बों के वजन को मिठाई में जोड़कर अधिक कीमत वसूलने, एमआरपी से ज्यादा राशि लेने और माप-तौल में गड़बड़ी जैसी शिकायतों पर फोकस किया जा रहा है.

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश में विधिक माप विज्ञान विभाग का विशेष जांच अभियान तेज कर दिया गया है. दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों को देखते हुए विभाग की टीमें बाजारों में औचक निरीक्षण कर रही हैं. अभियान के तहत घटतौली, पैकेज्ड वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक वसूली और माप-तौल से जुड़ी अनियमितताओं



पर विशेष नजर रखी जा रही है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अभियान 31 अक्टूबर तक पहले चरण में और 2 से 5 नवंबर तक दूसरे चरण में जारी रहेगा.

मिठाई और गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठान और पेंट कारोबारियों को विशेष निगरानी में रखा गया है. विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि उपभोक्ताओं को घोषित मात्रा के अनुरूप वस्तुएं मिलें और उनसे निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली न की जाए. सरकार का कहना है कि त्योहारों के दौरान नागरिकों को सुरक्षित, पारदर्शी और निष्पक्ष खरीदारी का माहौल उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिकता है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस अभियान से मिलावटखोरों में हडकंप मच गया है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग, बिहार के विकास को मिलेगी नई गति



विनोद सिंह 'तकियावाला'

'नदी संजीवनी' पहल का व्यापक संदेश यही है कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन विकास की नई संभावनाएँ खोल सकता है। नदियों में जमा गाद को हटाकर जलप्रवाह और जलधारण क्षमता में सुधार करना तथा उपयुक्त सामग्री को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगाना संसाधनों के पुनः उपयोग का व्यावहारिक उदाहरण है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ सकती है, उपजाऊ मिट्टी के अनावश्यक दोहन पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है और जल निकायों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहन मिल सकता है।

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल...

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है। इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में



इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था। इनमें पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, सरिस्ताबाद-दीदारगंज और अनीसाबाद-दीदारगंज खंडों में एलिवेटेड मार्ग, वाराणसी- रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड राजमार्ग तथा गंडक नदी पर पुल निर्माण जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं। इन परियोजनाओं से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

'नदी संजीवनी' पहल का व्यापक संदेश यही है कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन विकास की नई संभावनाएँ खोल सकता है। नदियों में जमा गाद को हटाकर जलप्रवाह और जलधारण क्षमता में सुधार करना तथा उपयुक्त सामग्री को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगाना संसाधनों के पुनः उपयोग का व्यावहारिक उदाहरण है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ सकती है, उपजाऊ मिट्टी के अनावश्यक दोहन पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है और जल निकायों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहन मिल सकता है। बिहार की बाढ़ समस्या का समाधान किसी एक योजना से संभव नहीं है, लेकिन यह पहल नदी प्रबंधन, सड़क निर्माण और पर्यावरण संरक्षण के बीच समन्वय स्थापित करने का अवसर अवश्य प्रदान करती है। अब जरूरत समयबद्ध कार्ययोजना, पारदर्शी निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन की है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें इसे धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कर पाती हैं, तो बिहार की नदियों की गाद वास्तव में राज्य के विकास की नई संजीवनी बन सकती है।

कौड़िया से बीईएल रोड तक लगेंगी अतिरिक्त स्ट्रीट लाइटें


कोटद्वार के कौड़िया-बीईएल रोड पर स्ट्रीट लाइटों का निरीक्षण करते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में बेहतर प्रकाश व्यवस्था बनाने के लिए नगर निगम ने कवायद शुरू कर दी है। इसके तहत खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत के साथ ही कौड़िया से बीईएल रोड तक अतिरिक्त स्ट्रीट लाइटें लगाने की योजना बनाई जा रही है। इससे क्षेत्र में रात के समय आवागमन करने वाले लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इसी क्रम में महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने देर रात नगर निगम की टीम के साथ कौड़िया से बीईएल रोड तक स्ट्रीट लाइटों की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि मार्गों पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने से लोगों को रात के समय आवागमन में परेशानी होती है। साथ ही दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। कौड़िया से बीईएल रोड तक पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को शहर के अन्य ऐसे स्थानों को भी चिह्नित करने के निर्देश दिए, जहां प्रकाश व्यवस्था की कमी है। महापौर ने कहा कि प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए स्थानीय लोगों से भी सुझाव लिए जाएं। विशेषकर जंगल से सटे मार्गों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने पर ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान सहायक नगर आयुक्त अजय इष्टवाल, अवर अभियंता दिनेश चौहान सहित अन्य मौजूद रहे।

फतेहपुर बैंड के समीप खाई में मिला व्यक्ति का शव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुग्ड्डा-लैंसडौन मोटर मार्ग पर फतेहपुर बैंड के समीप खाई में एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को खाई से बाहर निकाला। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, बीती रात कोटद्वार थाना पुलिस के माध्यम से एसडीआरएफ को फतेहपुर बैंड के समीप खाई में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही मुख्य आरक्षी आशीष रावत के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम घटना स्थल पर पहुंची। टीम ने नदी किनारे से शव को बाहर निकालकर सड़क तक पहुंचाया। लैंसडौन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि मृतक मानसिक रूप से कमजोर था और क्षेत्र में अक्सर घूमता दिखाई देता था। दो दिन पूर्व भी उसे डेरियाखाल के समीप देखा गया था। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

थाने के पीछे से चोरी हुई बाइक बरामद, आरोपी गिरफ्तार


कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार में मोटर साइकिल चोरी की घटना का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से चोरी की मोटर साइकिल भी बरामद की है। पुलिस अब आरोपित का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार, बीती 28 अक्टूबर को लकड़ी पड़ाव निवासी समीर ने कोतवाली में मोटर साइकिल चोरी की तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि वह किसी काम से बाजार आए थे। इस दौरान उन्होंने अपनी मोटर साइकिल कोतवाली के पीछे सिद्धबली मार्ग पर खड़ी की थी। कुछ देर बाद वापस लौटने पर मोटर साइकिल वहां से गायब मिली। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी। घटना स्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर आरोपित की पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के ग्राम देवड़ा कला निवासी इसरान पुत्र ताहिर को चोरी की मोटर साइकिल के साथ क्षेत्र में घूमते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपित के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

विद्यार्थियों को बताएं नशे के दुष्परिणाम


समूह चर्चा कार्यक्रम में परामर्शदाता दुर्गा नेगी नशे के दुष्प्रभाव बताते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत जनता इंटर कॉलेज, जामणाखाल, खिर्सू में विद्यार्थियों के साथ समूह चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा तंबाकू मुक्त एवं नशामुक्त समाज के निमर्सण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में परामर्शदाता दुर्गा नेगी द्वारा विद्यार्थियों को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक किया। साथ ही बच्चों को नशे से दूर रहने, नशे से संबंधित गलत आदतों से बचने, अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र प्रसाद डोभाल, महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्वाती, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अतुल, फार्मासिस्ट प्रदीप रावत आदि मौजूद रहे।

फल संरक्षण व बेकरी संबंधी दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में लोगों को फल संरक्षण व बेकरी संबंधी जानकारी दी गई।

बालासौड़ स्थित एक बारात घर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मंच के अध्यक्ष प्रवेश चंद्र नवानी, यशपाल असवाल राजकीय खाद्य प्रशिक्षण केंद्र के प्रधानाचार्य ने फल संरक्षण व बेकरी के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर प्रकाश कोठारी, शिव उनियाल, प्रकाश कुकरेती, चंद्रप्रकाश नैथानी, सुंदर लाल जोशी, गजेंद्र सिंह, रोशनी नैथानी, करिश्मा नेगी, सरोज देवरानी, रमेश चंद्र नैथानी, राकेश लखेड़ा, प्रकाश भारद्वाज, राजेंद्र प्रसाद पंत, अनीता चमोली, रेणु भारद्वाज, सरिता घिल्डियाल आदि मौजूद रहे।

800 मीटर दौड़ में मयंक और शिवानी ने मारी बाजी

राजकीय पॉलीटेक्निक में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ


कोटद्वार के राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान दौड़ में प्रतिभाग करती छात्राएं।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोटद्वार में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के तहत 800 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में मयंक असवाल और बालिका वर्ग में शिवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिताओं का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक हैं, बल्कि इनके माध्यम से विद्यार्थी अपना बेहतर भविष्य भी बना सकते हैं। 800 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में मयंक असवाल ने पहला, अमित कुमार ने दूसरा और सूर्यप्रताप सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में शिवानी प्रथम, शीतल द्वितीय और शिवानी तृतीय स्थान पर रहीं। इस मौके पर घमंडपुर के पार्षद अमित नेगी, संस्थान के प्रधानाचार्य मुकेश बाबू, संजीव चंद्र, विनोद पंत, सिद्धार्थ कोटनाला, महेश कुकरेती, सुरेश सिंह, वीरेंद्र भंडारी और महेंद्र सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नलकूप की मोटर ठीक करते समय करंट लगने से मैकेनिक की मौत

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : जशोधरपुर औद्योगिक आस्थान क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में नलकूप की मोटर ठीक करने के दौरान करंट लगने से मोटर मैकेनिक की मौत हो गई। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर हालत में मैकेनिक को राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वरिष्ठ पुलिस उप निरीक्षक शशिभूषण जोशी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद के ग्राम भागूवाला निवासी कोमल (38) पुत्र आशाराम जशोधरपुर स्थित संत आयरन फैक्ट्री में नलकूप की खराब मोटर ठीक करने आया था। मोटर की मरम्मत के बाद वह उसे दोबारा नलकूप में फिट कर रहा था। इसी दौरान वह पास से गुजर रही विद्युत लाइन की चपेट में आ गया और करंट लगने से बेहोश हो गया। इसके बाद उसे तत्काल राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

दीपावली पर उत्तरकाशी में पुलिस रहेगी सतर्क

उत्तरकाशी। दीपावली पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस सख्त है। त्योहार के दौरान बाजारों में भीड़, जाम, आगजनी और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने व्यापक तैयारियां की है। बाजारों से लेकर पटाखों की दुकानों तक पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमें लगातार निगरानी रखेगी। सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वाले दुकानदारों को कार्रवाई के लिए तैयार रहने की हिदायत दी गई है।

पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने जिले के सभी थाना, कोतवाली और फायर स्टेशन प्रभारियों को दीपावली के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत बाजारों और भीड़ वाले इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस बैरियरों और चेकिंग नाकों पर भी निगरानी सख्त की गई है।

पुलिस की विशेष नजर पटाखों की दुकानों पर रहेगी। आतिशबाजी का क्रय-विक्रय केवल निर्धारित एवं अधिकृत स्थलों पर ही करने के निर्देश दिए गए हैं। दुकानों में अग्निशमन यंत्र, पानी से भरे ड्रम और बाल्टियां रखना अनिवार्य है।

कपड़ों की दुकान में भीषण आग, लाखों का सामान राख

छह घंटे की मशक्कत के बाद बुझाई आग, सुबह फिर भड़की लपटे


घमंडपुर में कपड़ों की दुकान में लगी आग के बाद खाक हुआ सामान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के घमंडपुर मुख्य बाजार में सोमवार देर रात कपड़ों की एक दुकान में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से दुकान में रखा लाखों रूपये का सामान जलकर राख हो गया। दमकल कर्मियों ने करीब छः घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन मंगलवार तड़के दुकान में एक बार फिर आग भड़क उठी। इससे आसपास की दुकानों को भी खतरा पैदा हो गया। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने दोबारा अभियान चलाकर आग बुझाई। घटना सोमवार रात करीब साढ़े 11 बजे की है। भाबर के वार्ड संख्या-29 स्थित घमंडपुर में स्टेट बैंक के समीप एक कपड़ों की दुकान से राहगीरों को धुआं उठता दिखाई दिया। उन्होंने इसकी सूचना दुकान स्वामी दीपक कुमार निवासी नजीबाबाद (उत्तर प्रदेश) को दी। दीपक के शहर से बाहर होने के कारण वह तत्काल मौके पर नहीं पहुंच सके। इस पर आसपास के लोगों ने दुकान के ताले तोड़कर शटर खोला। शटर खुलते ही दुकान के भीतर से धुएं के साथ आग की लपटें बाहर निकलने लगीं। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब छः घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इसके बाद दमकल टीम वापस लौट गई, लेकिन मंगलवार सुबह तड़के दुकान में फिर से आग भड़क उठी। आग फैलने से आसपास की दुकानों को भी खतरा होने लगा। इसके बाद दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर दोबारा आग बुझाई। दुकान स्वामी दीपक कुमार ने बताया कि वह दुकान में कोट-पैंट सहित अन्य कपड़ों का व्यापार करते थे। अग्निकांड में दुकान में रखा पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया है। दमकल विभाग के अनुसार प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

वेतन बजट अटकने से शिक्षकों में आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सहायता प्राप्त जूनियर विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का वेतन बजट जारी नहीं होने से शिक्षक संघ में आक्रोश है। सितंबर 2026 से फरवरी 2027 तक का वेतन बजट शासन स्तर पर लंबित होने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वेतन नहीं मिलने से बैंक ऋण की किस्तें, घरेलू खर्च और बच्चों की शिक्षा से जुड़े दायित्व प्रभावित हो रहे हैं।इस समस्या को लेकर उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ ने ऑनलाइन बैठक आयोजित कर शासन के प्रति नाराजगी जताई। बैठक में प्रांतीय महामंत्री डॉ. महावीर सिंह बिष्ट ने बताया कि वेतन बजट जारी करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा गया है। इसके माध्यम से शिक्षकों एवं कर्मचारियों की आर्थिक परेशानियों से अवगत कराते हुए लंबित बजट तत्काल जारी करने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। प्रांतीय अध्यक्ष मेजर स्वतंत्र मिश्रा ने कहा कि यदि शीघ्र वेतन बजट जारी नहीं किया गया तो वह स्वयं मुख्यमंत्री से मुलाकात कर शिक्षकों की समस्या उठाएंगे। प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय बिष्ट ने बजट जारी करने में हो रही देरी को प्रशासनिक नाकामी बताते हुए कहा कि शिक्षकों और कर्मचारियों को अपने ही वेतन के लिए बार-बार शासन का ध्यान आकर्षित करना पड़ रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। मंडलीय अध्यक्ष संजय रावत ने कहा कि अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के वेतन बजट में हर वर्ष होने वाली देरी का स्थायी समाधान किया जाना चाहिए। इसके लिए राजकीय विद्यालयों की तर्ज पर सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए भी केंद्रीकृत बजट व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। बैठक में पौड़ी गढ़वाल के जिलाध्यक्ष भारत बिष्ट, जिला मंत्री संदीप रावत, अनिल चमोली, कीरत नेगी, राजेश सैनी, सुरेंद्र रावत और अवधेश सेमवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

हर ब्लॉक में होगा मैराथन का आयोजन

श्रीनगर गढ़वाल : शिक्षा एवं सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सीओ कार्यालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में आवश्यक सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, बिजली, भवन, चहारदीवारी, खेल मैदान, खेल सामग्री, ओपन जिम सहित सभी सुविधाओं की स्थिति का विवरण तैयार किया जाए। मंत्री ने कहा कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए टैबलेट वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्येक इंटर कॉलेज को जिम एवं खेल सामग्री उपलब्ध कराने की योजना है, जिससे विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी स्वस्थ रह सकें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक में मैराथन का आयोजन किया जाएगा। बैठक में शिक्षा विभाग के अपर निदेशक पदमेंदर बिष्ट, मुख्य शिक्षा अधिकारी अत्रेश सयाना, जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) अंशुल बिष्ट सहित भाजपा जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत, श्रीनगर मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल, जिला महामंत्री गणेश भट्ट आदि मौजूद रहे।

हैप्पी होम स्कूल के देवेश हेड बॉय और रिद्धिमा बनीं हेड गर्ल

नेतृत्व, अनुशासन और सेवा भावना का संगम बना इन्वेस्टिचर समारोह



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हैप्पी होम स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन बड़े उत्साह, गरिमा और उल्लास के साथ किया गया। इस मौके पर हेड बॉय के लिए देवेश घिल्डियाल को हेड बॉय और रिद्धिमा को हेड गर्ल चुना गया। प्रधानाचार्या शालिनी सिंह ने नए परिषद सदस्यों को ईमानदारी, निष्ठा और विनम्रता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की निदेशिका श्रीमती उषा सिंह ने द्वीप प्रज्जवलित कर की। इस अवसर पर हेड बॉय के लिए देवेश घिल्डियाल और हेड गर्ल के लिए रिद्धिमा का चयन किया गया। स्पोर्ट्स कैप्टन के रूप में आशुतोष सिंह और सिया रावत, कल्चरल हेड के लिए प्रियांशी निर्वाचित हुईं। डिसिप्लिन हेड के रूप में अनामिका भट्ट को चुना गया। ब्लू हाउस से हिमांशु यादव और ईशा ध्यानी, रेड हाउस से स्मृति काला और तुषार अग्रवाल, ग्रीन हाउस से मोहित और वैष्णवी तथा येलो हाउस से आकाश नेगी और शालू घाघट हाउस कैप्टन बनें। स्कूल प्रीफेक्ट्स के रूप में ब्लू हाउस से जिया, शौर्य रतूड़ी, आयुष कुमार और गौरांगी सक्सेना, रेड हाउस से प्रियांशी सक्सेना, मोहम्मद यासीन, समीक्षा और लवली, ग्रीन हाउस से हर्षिता रावत, अमनदीप कौर और रिहान फराज तथा येलो हाउस से रुचिका रावत, अदिति काला, मेलविना सिंह और मोहम्मद हम्माद को सदस्य चुना गया। कम्युनिटी सर्विस स्प्रिजेंटेटिव के लिए सृष्टि रावत एवं अनम का चयन किया गया।

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, सराहे गए मॉडल



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मंगलवार को श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल देवी रोड़ कोटद्वार में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच और नवाचार के लिए प्रेरित किया। कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है। वैज्ञानिक सोच, अभिरुचि, जागरूकता एवं नवाचारों को विकसित करने में विज्ञान प्रदर्शनी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इससे छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण का भी विकास होता है। विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर आयुक्त नगर निगम कोटद्वार पीएल शाह, विद्यालय की प्रधानाचार्या अनुसूया वर्मा, श्री गुरू राम राय नर्सिंग कालेज के प्राचार्य डॉ. राजकुमार, श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल लालपानी के प्रधानाचार्य डॉ. गिरीश उनियाल द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अनुसूया वर्मा छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं है, यह सोचने, नई चीजों को खोजने और नई खोजे करने का एक तरीका है। यह विद्यार्थियों को सवाल पूछने, रचनात्मक रूप से सोचने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है। कला संकाय के विद्यार्थियों द्वारा गढ़वाल की संस्कृति, ऐतिहासिक व भू-भाग का प्रदर्शन करने वाले मनमोहक मॉडल प्रदर्शित किये गये। वाणिज्य संकाय के छात्रों ने बैंकों की कार्य प्रणाली, आधुनिक शापिंग माल आदि मॉडलों को प्रदर्शित कर अपनी व आधुनिक सोच का परिचय दिया। विज्ञान संकाय के वरिष्ठ वर्ग के भावी वैज्ञानिकों ने चन्द्रयान-3, विक्रम लैण्डर, आदित्य एल-वन, हाइड्रोलिक ब्रिज, सिक्योरिटी आफ हाउस से इलेक्ट्रिक उपकरण, सोलर सिस्टम, वाटर हार्वोस्टिक, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, ग्रीन एनर्जी वोल्केना आदि विषयों में माडल और चार्ट प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कनिष्ठ वर्ग के नन्हें वैज्ञानिकों ने वेस्ट मैनेजमेंट, भूकम्प, अलार्म, एनर्जी रिसोर्स, ड्रिप इरिगेशन सिस्टम जैसे प्रदर्शनों ने खबू सराहना बटोरी। प्राइमरी ग्रुप के नन्हे-नन्हे बच्चों द्वारा बनाये गये ज्वालामुखी, सौरमण्डल, फैमिली ट्री जैसे मॉडल ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस मौके पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित एवं समावेशी वातावरण विकसित करने की जरूरत

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि में नवोदय विद्यालयों के शिक्षकों के लिए चल रहे चार दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के दूसरे दिन महत्वपूर्ण सत्र हुए। राष्ट्रीय नवोदय नेतृत्व संस्थान (नोएडा) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए 45 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों में ज्ञान, कौशल और व्यावहारिक दक्षताओं के विकास पर जोर दिया। प्रो. सुनीता गोदियाल और डॉ. सपना सेन ने ऐसी दक्षता-आधारित पाठ्यचर्या के निर्माण पर चर्चा की जो विद्यार्थियों में ज्ञान, कौशल, मूल्यों एवं व्यावहारिक दक्षताओं के विकास को प्रोत्साहित करे। डॉ. रीना उनियाल तिवारी ने विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित एवं समावेशी वातावरण विकसित करने की आवश्यकता बताई। डॉ. सोनल शर्मा ने शिक्षण में तकनीक के प्रभावी उपयोग और डिजिटल नागरिकता पर मार्गदर्शन किया। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. 35/2026 दिनांक : 03.11.2026

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी (रु.)	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1	39/वरिष्ठ मं. वि. अभि./सा./मु.रा./2026 :- मुरादाबाद डिवीजन में अलग-अलग क्षमता वाले सबमर्सिबल पंपों और मोटर सेटों को ऊपर उठाने और नीचे उतारने, उनकी मरम्मत और रीवाइंडिंग का कार्य तथा रेलवे कॉलोनी RAC में पंप नंबर 9 और 10 पर पंप लगाने और चालू करने (इंस्टॉलेशन और कमिशनिंग) का इलेक्ट्रिकल कार्य।	4413347.34 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद	88300.00	12 (बारह) महीने	निविदाएँ दिनांक 25.11.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय/ मुरादाबाद।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3846/26

राष्ट्रीय एकता शिविर में डैफोडिल्स स्कूल के स्वयं सेवकों ने किया उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल, देवरामपुर, कोटद्वार की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के दो स्वयं सेवकों कुशाग्र प्रतिभा के धनी कुणाल बिष्ट एवं प्रियंशी बिष्ट ने राष्ट्रीय एकता शिविर में प्रतिभाग कर उत्तराखंड राज्य का गौरव बढ़ाया। शिविर से सफलता पूर्वक लौटने पर विद्यालय परिसर में दोनों स्वयं सेवकों एवं कार्यक्रम अधिकारी का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या नूतन बिष्ट एवं विद्यालय के अध्यक्ष अर्जुन सिंह बिष्ट व विद्यालय प्रबंधक शेखर उपाध्याय ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।यह राष्ट्रीय एकता शिविर 25 से 31 अक्टूबर 2026 तक गडपुरी, हरियाणा में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शंकर बहादुर के नेतृत्व में उत्तराखंड की टीम ने प्रतिभाग किया तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। शिविर के दौरान स्वयं सेवकों ने विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता से संबंधित गतिविधियों में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग



किया तथा उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली विरासत को प्रस्तुत किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर अपर निदेश-ाक माध्यमिक शिक्षा गढ़वाल मंडल पौड़ी प्रमेन्द्र कुमार बिष्ट एवं मंडलीय कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने स्वयं सेवकों एवं कार्यक्रम अधिकारी को राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड और विद्यालय का नाम रोशन करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं राष्ट्र सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि संपूर्ण कोटद्वार एवं उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय है।

विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची होगी दुरुस्त

उत्तरकाशी। विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने काम तेज कर दिया है। चुनाव से पहले जिले की मतदाता सूची को सही करने और 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवाओं के नाम सूची में जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सोमवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और जरूरी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए छूटे हुए लोगों से फॉर्म–6 भरवाकर उनके नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएं। वहीं, जिन मतदाताओं के नाम, पिता या पति के नाम और अन्य जानकारियों में गलती है, उन्हें फॉर्म–8 के माध्यम से ठीक कराया जाए। 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले युवाओं को भी मतदाता बनने के लिए जागरूक किया जाए।

पहाड़ की समस्याओं पर की चर्चा



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्व. सरोजनी देवी लोक विकास की ओर से स्व. सरोजनी देवी की 13वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें वक्ताओं ने पहाड़ की समस्याओं पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान चकबंदी के प्रणेता गणेश सिंह गरीब को सम्मानित किया गया। नन्द किशोर ढौंढ़ियाल की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। चकबंदी के प्रणेता गणेश सिंह गरीब ने पहाड़ में चकबंदी के महत्व के बारे में बताया। कहा कि पहाड़ में चकबंदी आवश्यक है। चकबंदी आर्थिक समृद्धि का मूल स्रोत है। पत्रकार नागेंद्र उनियाल ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में पहले जुताई होने से खेतों में जल संरक्षण होता है। लेकिन, अब वर्षा जल भी खेतों में नहीं ठहर पा रहा है। वक्ता डा. प्रेम बहुखंडी व डा. पदमेश बुड़ाकोटी ने भूमि पर अतिक्रमण पर चिंता व्यक्त की। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी, सुदर्शन सिंह, पीएल खंतवाल, शिव प्रसाद कुकरेती, प्रेम बहुखंडी, अन्नपूर्णा जोशी, प्रभा नेगी, प्रकाश कोठारी, प्रवेश नवानी, जनार्द्धन ध्यानी, महेंद्र रावत, शंकर दत्त गौड़, विनोद नेगी, विकास आर्य, चंद्र सिंह नेगी, नारायण सिंह, राजेंद्र सहिं, आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सुभाष नौडियाल ने किया।

ऋण वसूली में लापरवाही पर बैंक अध्यक्ष नाराज

उत्तरकाशी। जिला सहकारी बैंक की अध्यक्ष शारदा राणा ने ऋण वसूली में लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताते हुए 10 प्रतिशत से कम वसूली वाली शाखाओं के कर्मचारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। वहीं, 25 प्रतिशत से कम लक्ष्य हासिल करने वाले अधिकारियों को चेतावनी जारी करने को कहा है।विकास भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में अध्यक्ष ने बैंक शाखा प्रबंधकों और बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के सचिवों के साथ बैंक की कार्यप्रणाली, ऋण वितरण और वसूली की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के तहत जनपद के किसानों और युवाओं को अब तक 40 करोड़ रुपये का ब्याजमुक्त ऋण वितरित किया गया है। उन्होंने आगामी दो माह में योजना के तहत आवंटित शेष ऋण वितरण लक्ष्य शत–प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों, युवाओं, महिलाओं और उद्यमियों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए आगामी माह से प्रत्येक विकासखंड में ऋण मेले आयोजित करने की बात कही।

पौंटी पुल पर वन विभाग ने बनाया नया चेकपोस्ट

बड़कोट। बनाल और ठकराल क्षेत्र के देवदार के घने जंगलों से लकड़ी की अवैध तस्करी रोकने के लिए वन विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। नौगांव–राजगढ़ी मोटर मार्ग पर पौंटी पुल के पास नया बैरियर चेकपोस्ट स्थापित किया गया है। इससे इस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों पर नजर रखने और अवैध रूप से लकड़ी ले जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। अपर यमुना वन प्रभाग के अंतर्गत बनाल और ठकराल क्षेत्र देवदार के घने जंगलों के लिए जाने जाते हैं। इन जंगलों से लकड़ी की अवैध निकासी की आशंका लंबे समय से बनी हुई है। नौगांव–राजगढ़ी मोटर मार्ग पर पहले वन विभाग का कोई बैरियर नहीं होने से इस रास्ते से लकड़ी की आवाजाही पर प्रभावी निगरानी नहीं हो पा रही थी।

अग्नि सुरक्षा को लेकर फायर हाइड्रेंट का निरीक्षण

गोपेश्वर। आगामी त्योहारी सीजन में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए चमोली पुलिस अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत कर रही है। फायर सर्विस की टीमों ने गोपेश्वर, गौचर, कर्णप्रयाग और गैरसैंण नगर क्षेत्रों में स्थापित फायर हाइड्रेंट का निरीक्षण किया। इस दौरान फायर हाइड्रेंट की भौतिक स्थिति, जलापूर्ति व्यवस्था और कार्यशीलता की जांच की गई। फायर सर्विस की ओर से जिले के अन्य नगर क्षेत्रों में भी फायर हाइड्रेंट का निरीक्षण किया जाएगा। इसके जरिये आपात परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को मजबूत किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने लोगों से त्योहारों के दौरान आतिशबाजी सावधानीपूर्वक करने, ज्वलनशील पदार्थों को सुरक्षित रखने और अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है।

100 मी. दौड़ में अनुज पंथवाल, अवनिका ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल लालपानी में चल रही शर-दकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन फुटबॉल, कबड्डी, दौड़ सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 100 मीटर सीनियर वर्ग में अनुज पंथवाल, अवनिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मंगलवार को आयोजित 100 मीटर सीनियर बालक वर्ग में रामाजुजन सदन के अनुज पंथवाल, आर्यभट्ट सदन के नमन, भाभा सदन के शौर्य, बालिका वर्ग में अवनिका रामानुजन सदन, रमन हाउस की अंशिका, भाभा सदन की दिव्यांशी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि रिले रेस में आर्यभट्ट सदन ने जीत हासिल की। प्री प्राइमरी नर्सरी कक्षा बालक वर्ग फ्रॉग रेस में अद्विक पांडे, अर्थव, अंश उनियाल, बालिका वर्ग में कृतिका, सानवी रावत, प्रीशा, एलकेजी बालक वर्ग बुक रेस में दिव्यांश, अर्थव, मयंक, बालिका वर्ग में अनवी, अवंतिका, आराध्या, यूकेजी बुक रेस बालक वर्ग में



अद्विक असवाल, श्रेयांश, शिवम, बालिका वर्ग में वैष्णवी, भूमिका, रिद्धिमा क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रही। प्राइमरी स्पून रेस बालक वर्ग में आरूष, अभिषेक, मयंक, बालिका वर्ग में कृतिका, आयंतिका, वैष्णवी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

एक नजर

बिजली गिरने से 12 भेड़–बकरियों की मौत

पुरोला। मोरी विकासखंड के चांगसील बुग्याल में मौसम की मार ने भीतरी गांव के भेड़पालकों को भारी नुकसान पहुंचाया है। सोमवार रात हुई तेज बारिश और बर्फबारी के बाद मंगलवार तड़के बिजली गिरने से 12 भेड़–बकरियों की मौत हो गई जबकि 40 से 50 पशु लापता बताए जा रहे हैं।

भीतरी गांव के पशुपालक इन दिनों अपनी भेड़–बकरियों के साथ चांगसील बुग्याल के रयाली थाच क्षेत्र में मौजूद हैं। सोमवार रात मौसम खराब होने के बाद मंगलवार सुबह बिजली उनकी पशुओं की टोली पर गिर गई। हादसे में प्रकाश सिंह, सुरेश और सोवन सिंह की भेड़–बकरियां चपेट में आ गईं। 12 भेड़–बकरियों की मौत हो गई जबकि 40 से 50 लापता हैं।

भीतरी के ग्राम प्रधान महेंद्र कुंवर ने बताया कि बुग्याल क्षेत्र में दूरसंचार सुविधा नहीं होने के कारण घटना की सूचना देर से मिल सकी। सूचना प्रशासन को दे दी गई है। तहसीलदार मोरी सरदार सिंह चौहान ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर उप राजस्व निरीक्षक के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम मौके पर रवाना कर दी गई है। दूसरी ओर दूरस्थ बुग्यालों में संचार सुविधा का अभाव एक बार फिर बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है।

जंगलों की सुरक्षा में अब वन पंचायतों की भूमिका होगी अहम

उत्तरकाशी। जंगलों को वनाग्नि से बचाने और वन संरक्षण में ग्रामीणों की भागीदारी मजबूत करने के लिए वन विभाग ने वन पंचायतों को केंद्र में रखकर रणनीति पर मंथन शुरू किया है। मंगलवार को वन चेतना केंद्र कोटबंगला में मुख्य वन संरक्षक सुशांत कुमार पटनायक के निर्देशन में आयोजित गोष्ठी में वन पंचायत सरपंचों को जंगलों की सुरक्षा में अधिक सक्रिय और जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

गोष्ठी में सबसे अधिक जोर वनाग्नि की रोकथाम पर रहा। वन पंचायतों के माध्यम से गांव स्तर पर जागरूकता बढ़ाने, जंगलों में आग लगने की स्थिति में तत्काल वन विभाग को सूचना देने, स्थानीय ग्रामीणों को एकजुट करने और आग की घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता रेखांकित की गई।इसके साथ ही जंगलों में मानवीय लापरवाही से आग लगने की घटनाओं को रोकने, वन संपदा के संरक्षण तथा क्षतिग्रस्त वन क्षेत्रों के संवर्धन में सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। मुख्य वन संरक्षक ने वन पंचायतों के अधिकारों, दायित्वों और वन प्रबंधन में उनकी भूमिका की जानकारी देते हुए कहा कि स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी के बिना जंगलों का प्रभावी संरक्षण संभव नहीं है।

हेलिकॉप्टर दुर्घटना की जांच कर रहे अधिकारी की तबीयत बिगड़ी

ज्योतिर्मठ। पांडुकेश्वर क्षेत्र में हुए हेलिकॉप्टर हादसे की जांच कर लौट रहे विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के वरिष्ठ अधिकारी दिनेश डांगी की देर रात तीबयत बिगड़ गई। चलने में असमर्थ होने पर एसडीआरएफ की टीम ने उन्हें दुर्गम रास्ते से कंधों के सहारे सड़क तक पहुंचाया। यहां से उन्हें अस्पताल ले जाया गया।।उपचार के बाद उनका स्वास्थ्य सामान्य बताया गया। पिछले दिनों पांडुकेश्वर क्षेत्र में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे की जांच के लिए एएआईबी की टीम मौके पर पहुंची थी। जांच के बाद लौटते समय वरिष्ठ अधिकारी दिनेश डांगी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। वह चलने में असमर्थ हो गए। इसकी सूचना गोविंदघाट पुलिस को मिलने पर एसडीआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना किया गया। रात के समय दुर्गम रास्ते से बीमार अधिकारी को सड़क तक पहुंचाना जवानों के लिए चुनौतीपूर्ण था। एसडीआरएफ के जवानों ने कंधों के सहारे उन्हें सुरक्षित पांडुकेश्वर पहुंचाया। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया,

गौचर में पहली बार अलकनंदा तट पर हुई गंगा आरती



गौचर। नगर में पहली बार अलकनंदा नदी के तट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। यह आयोजन हर रविवार और सोमवार को हरिद्वार की हरकी पैड़ी की तर्ज पर किया जाएगा। रघुनाथ मंदिर के समीप हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सभासद विनीत रावत की पहल पर यह कार्यक्रम हुआ। गंगा आरती में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पूरा सहयोग दिया। विनीत रावत ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य नगर की धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाना है। इसका लक्ष्य समाज के सभी वर्गों को एक साथ जोड़कर सामाजिक सद्भाव बनाए रखना है। इस अवसर पर दीपक गौड़, शुभम बुटोला और बीना भंडारी आदि उपस्थित थे।

पॉलीटेक्निक निर्माण शुरू, अगले सत्र से शुरू होंगे दो नए ट्रेड

नई टिहरी। राजकीय पॉलीटेक्निक नई टिहरी को जल्द अपना भवन मिलने जा रहा है। भागीरथीपुरम में 35 करोड़ छह लाख की लागत से बनने वाले भवन का मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और विधायक किशोर उपाध्याय ने भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि अगले शिक्षा सत्र से पॉलीटेक्निक में दो नए ट्रेड भी शुरू किए जाएंगे। मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को अपने गांव और शहर के आसपास ही तकनीकी शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में अगले शिक्षा सत्र से पॉलीटेक्निक में दो नए ट्रेड शुरू किए जाएंगे। इस मौके पर दायित्वधारी खेम सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष सुभाष रमोला, डॉ. भान सिंह नेगी, हाइझो इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक डॉ. शरद प्रधान, पूर्व ब्लॉक प्रमुख आनंदी नेगी मौजूद रहे।

गैर शैक्षणिक कार्यों के बहिष्कार पर उतरे प्राथमिक शिक्षक

उत्तरकाशी। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ की प्रांतीय समिति के आह्वान पर जिले के प्राथमिक शिक्षकों ने गैर शैक्षणिक कार्यों का बहिष्कार शुरू कर दिया है। जिलाध्यक्ष जयदेव सिंह राणा के नेतृत्व में शिक्षकों ने एक नवंबर से आंदोलन शुरू करते हुए शिक्षा विभाग के अतिरिक्त अन्य विभागों और गैर सरकारी संस्थाओं की ओर से सौंपे जाने वाले कार्यों में सहयोग नहीं करने का निर्णय लिया है।संघ के जिलाध्यक्ष जयदेव सिंह राणा ने बताया कि शिक्षक अब केवल शिक्षण कार्य, छात्र उपस्थिति दर्ज करने और पीएम पोषण योजना से जुड़े दायित्वों का ही निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि आरटीई अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से छूट दी जानी चाहिए। लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों को पदोन्नति और सेवा में बने रहने के लिए टीईटी की बाध्यता से मुक्त रखा जाए।

शिक्षकों ने एक अक्तूबर 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग भी उठाई। कहा कि शिक्षण कार्य के अलावा विभिन्न ऑनलाइन ऐप के माध्यम से कोर्स और अन्य गैर शैक्षणिक कार्यों का दबाव बनाया जा रहा है। कोर्स पूरा नहीं करने पर वेतन रोकने जैसी कार्रवाई की चेतावनी से शिक्षकों में नाराजगी है। अतिरिक्त कार्यों के कारण कक्षा शिक्षण और पाठ्यक्रम प्रभावित हो रहे हैं। इस मौके पर उदय सिंह बिष्ट, बिजेंद्र सिंह पंवार, जनक सिंह बिष्ट, दिनेश चौहान और सुभाष चंद्र आदि मौजूद रहे।

खेल मैदान और अवस्थापन विकास का कार्य जल्द पूरा करें

नई टिहरी। डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिले में खेल मैदानों के निर्माण और खेल अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर चर्चा की गई। उन्होंने लंबित कार्य जल्द पूरे करने के निर्देश दिए।

बैठक में युवा कल्याण विभाग द्वारा केंद्र पोषित विशेष सहायता योजना (पूंजीगत निवेश) के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बताया गया कि स्वीकृत निर्माण कार्यों में से कुछ कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि शेष कार्य प्रगति पर हैं। बताया गया कि देवप्रयाग के चंद्रबदनी मिनि स्टेडियम में शेड और दर्शकदीर्घा निर्माण, बमाणा में ओपन जिम स्थापना, प्रतापनगर के रैका में खेल मैदान निर्माण, भिलंगना के घनसाली, सांकरी, जाख–नैलचामी और ब्लॉक कार्यालय परिसर में विभिन्न खेल अवस्थापना कार्य, चंबा के तुंगोली, दिखोलगांव और बौराड़ी स्टेडियम, जाखणीधार के मंदार और सेमंडीधार, थौलधार के गैर नगुण, इंडोर बैडमिंटन कोर्ट और कीर्तिनगर के बाघसैण मिनी स्टेडियम में निर्माण एवं विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

डीएम ने कहा कि खेल मैदान बनाते समय खिलाड़ियों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखें। खेल मैदानों में फेंसिंग, सुरक्षा दीवार और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा गया। बौराड़ी स्टेडियम में निर्माणाधीन कार्य नवंबर माह तक अनिवार्य रूप से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

अशासकीय माध्यमिक शिक्षकों को तीन माह से नहीं मिला वेतन

नई टिहरी। अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ ने दो माह से वेतन नहीं मिलने पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि अशासकीय स्कूलों के प्रति सरकार का उदासीन रवैया बना हुआ है। वेतन भुगतान शीघ्र नहीं किया जाता है, तो शिक्षकों को धनतेरस के दिन धरने पर बैठने को मजबूर होना पड़ेगा। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष अनिल नौटियाल की अध्यक्षता में ऑनलाइन हुई बैठक में संघ ने अशासकीय जूनियर हाईस्कूलों का वेतन बजट अभी तक स्वीकृत नहीं करने पर नाराजगी जताई है। प्रांतीय अध्यक्ष और महामंत्री महादेव मैठाणी ने कहा कि अशासकीय जूनियर हाईस्कूलों के शिक्षकों को दो–तीन माह से वेतन नहीं मिल पाया है जबकि बजट की मांग एक माह पहले ही निदेशालय को भेज दी गई थी लेकिन शासन की लापरवाही के कारण वेतन बजट की पत्रावली शासन स्तर पर लंबित पड़ी हुई है।

28 यात्रियों को लेकर 55 किमी तक नशे में बस चलाता रहा चालक

लंबगांव (टिहरी)। शराब के नशे में एक बस चालक करीब 55 किलोमीटर तक 28 यात्रियों की जान जोखिम में डालकर बस दौड़ाता रहा। उत्तरकाशी से श्रीनगर जा रही बस को लंबगांव में पुलिस ने चेकिंग के दौरान रोक लिया। चालक के नशे में होने का अंदेशा होने पर पुलिस ने अल्कोमीटर से जांच की तो उसके अत्यधिक शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने बस को सीज कर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। साथ ही उसका ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार काशी विश्वनाथ सेवा की बस



सुबह 6 बजे उत्तरकाशी से श्रीनगर के लिए रवाना हुई थी। सुबह करीब 9.30 बजे बस लंबगांव थाना के समीप पहुंची। यहां चेकिंग के दौरान पुलिस कर्मियों को चालक की गतिविधियों पर संदेह हुआ। पूछताछ के बाद पुलिस ने अल्कोमीटर से उसकी जांच की, जिसमें चालक के अत्यधिक शराब पीकर वाहन चलाने की पुष्टि हुई।

यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने बस को आगे जाने से रोक दिया। इसके बाद बस में सवार यात्रियों को श्रीनगर भेजने के लिए दूसरे वाहन की व्यवस्था की गई। उत्तरकाशी से आई बस को मौके पर ही सीज कर दिया गया। थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत ने बताया कि बस चालक का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने भरे 12 सैंपल, दो होटल संचालकों को थमाए नोटिस

चंबा (टिहरी)। त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और जिला पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने बाजार में जांच अभियान चलाया। टीम ने अलग–अलग दुकानों से मिठाई, पनीर, घी और मसालों समेत 12 खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। वहीं, साफ–सफाई में लापरवाही मिलने पर दो होटल संचालकों को नोटिस जारी किए गए।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रमोद रावत के नेतृत्व में टीम ने होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों के



निर्माण, भंडारण और बिक्री से जुड़े मानकों की जांच की गई। साथ ही प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलिंडरों के व्यावसायिक उपयोग की भी पड़ताल की गई। वरिष्ठ खाद्य अधिकारी शारदा शर्मा और बलवंत चौहान ने बताया कि अभियान के दौरान मिठाई के पांच, पनीर और मसालों के दो–दो, बेसन और घी का एक–एक, अन्य खाद्य पदार्थ का एक नमूना लिया गया। सभी 12 नमूनों को गुणवत्ता की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

जिले की 32 सहकारी समितियों में होगी मंडुवा की खरीद

नई टिहरी। जिले में स्टेट मिलेट मिशन योजना 2026–27 के अंतर्गत मंडुवा खरीद की प्रक्रिया शुरू की गई है। योजना के तहत किसानों से मंडुवा की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य 52.05 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से की जाएगी। खरीद का कार्य 31 दिसंबर 2026 तक चलेगा। जिला सहायक निबंधक सहकारी समितियां पीएस रावत ने बताया कि उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ (यूसीएफ) देहरादून क्रय एजेंसी के माध्यम से जिले की 32 बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के क्रय केंद्रों पर मंडुवा की खरीद की जा रही है। किसान निर्धारित क्रय केंद्रों के माध्यम से अपनी उपज को बेच सकेंगे। मंडुवा की खरीद ऑनलाइन ऐप के माध्यम से की जाएगी। उपज का भुगतान क्रय एजेंसी यूसीएफ की ओर से सीधे किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को उनकी कृषि उपज का उचित मूल्य उपलब्ध कराना है। साथ ही मोटे अनाज के उत्पादन एवं उपयोग को प्रोत्साहित करना भी है। इसके तहत मंडुवा सहित अन्य पारंपरिक कृषि उत्पादों के उत्पादन, खरीद और विपणन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में सप्ताहांत के दौरान हुए सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें चार लोग मोटरसाइकिल चला रहे थे और तीन कार चला रहे थे। रविवार शाम मेलबर्न के ब्राइटन ईस्ट इलाके में कार और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक और बाइक सवार दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार एक बच्चा मामूली रूप से घायल हुआ। इससे पहले शनिवार को राज्य के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में एक वाहन की टक्कर से 75 साल की महिला की मौत हो गई थी। वहीं, जिलॉन्ग के पास ई-बाइक और कार की टक्कर में दो किशोर घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई गई है।

नेपाल : बर्फबारी में फंसे छह भारतीय पर्यटकों का रेस्क्यू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के शे-फोक्सुंडो नेशनल पार्क इलाके में भारी बर्फबारी के कारण फंसे छह भारतीय पर्यटकों को सोमवार सुबह सुरक्षित बचा लिया गया। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी एक नवंबर से संपर्क से बाहर थे। पर्यटकों को निजी हेलीकॉप्टर की मदद से निकाला गया। फिलहाल सभी का डोल्पा जिले के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत खतरे से बाहर है। ये पर्यटक शे-फोक्सुंडो झील घूमने गए थे। लौटते समय भारी बर्फबारी के कारण नुमला और वागला दर्रे में फंस गए। खराब मौसम के चलते रविवार को सेना का हेलीकॉप्टर भी उन्हें बचाने में नाकाम रहा था। प्रशासन ने पहले ही इलाके में भारी बर्फबारी को देखते हुए पर्यटकों को वहां न जाने की चेतावनी दी थी।

'बांग्लादेशी कपड़ा श्रमिकों का प्रदर्शन, कारखाने बंद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कपड़े बनाने वाले श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शनों के बाद सरकार ने वेतन की समीक्षा के लिए वेतन बोर्ड के गठन का एलान किया है। न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर हो रहे इन प्रदर्शनों के चलते देश भर में 500 से अधिक कारखाने बंद करने पड़े हैं, और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। यह विवाद उस उद्योग के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है, जो लगभग 40 लाख श्रमिकों को रोजगार देता है। बांग्लादेश में 80% से अधिक निर्यात आय पैदा करता है और दुनिया के कई बड़े पश्चिमी ब्रांडों को कपड़े सप्लाई करता है।

4.2 करोड़ बच्चों को पछाड़ 11 साल की मयार ने जीता अरब रीडिंग चैलेंज

दुबई , एजेंसी। मिस्र की 11 साल की छात्रा मयार मोहम्मद ने दुबई में आयोजित 8वें 'अरब रीडिंग चैलेंज' में दुनिया भर के 4.02 करोड़ से अधिक छात्रों को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। दुबई ओपेरा में आयोजित समारोह में यूएई के उपराष्ट्रपति, पीएम व दुबई के शासक मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने मयार को इस ऐतिहासिक जीत के लिए सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता को जीतने पर मयार को इनाम के रूप में 5 लाख दिरहम (लगभग 1.14 करोड़ रुपये) की राशि मिली है। मिस्र की एक प्राइमरी स्कूल की छात्रा मयार ने दुबई में फाइनल स्टेज तक पहुँचने और उसे जीतने के लिए अलग-अलग विषयों की दर्जनों किताबों को न केवल पढ़ा, बल्कि उनका गहराई से विश्लेषण भी किया। प्रतियोगिता इतनी कठिन थी कि दूसरे स्थान के लिए तीन छात्रों के बीच टाई हो गया।

ट्रंप ने किसानों को दिया 1.42 लाख करोड़ का पैकेज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अमेरिकी कृषि उत्पादकों के लिए 15 अरब डॉलर(1.42 लाख करोड़ रुपये) की वित्तीय मदद और योजनाओं का वादा किया है। इस पहल का उद्देश्य किसानों को डीजल और उर्वरक की उन बढ़ी हुई लागतों से राहत दिलाना है, जिन्हें उन्हें मुख्य रूप से ट्रंप के टैरिफ और ईरान के साथ युद्ध के कारण भुगतना पड़ा है। ग्रामीण मतदाताओं को लुभाने के लिए ट्रंप ने रविवार को आयोवा और कंसास का दौरा भी किया। कुल 15 अरब डॉलर में से आधे से अधिक यानी 8 अरब डॉलर किसानों को मिलने वाले एकमुश्त भुगतान के रूप में दिए जाएंगे।

फ्लोरिडा में विमान हादसा, रिहायशी इलाके के पास निजी जेट क्रैश; प्लेन में सवार सभी 9 लोगों की मौत

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। एएफपी के मुताबिक, विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था। हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले है। अब वक्त नहीं बचा।' इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई। हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रम्प के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है।

क्रैश से पहले पायलट ने 'मेडे' कॉल दी थी : एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें पायलट ने बताया कि मौसम खराब हो रहा है। विमान में बर्फ जम रही है और तेज झटके लग रहे हैं। हालात बिगड़ने पर पायलट ने 2 हजार फीट और ऊंचाई पर जाने की अनुमति मांगी। इसी दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। स्थिति बिगड़ती देख पायलट ने इमरजेंसी घोषित कर दी।

पायलट ने रेडियो पर कहा, हम 8 हजार फीट नीचे जा रहे हैं... मेडे, मेडे... हम 10 हजार फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं। हम जमीन से टकराने वाले हैं

30 हजार फीट/मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा विमान : विमान हादसे से पहले 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। नीचे गिरते समय विमान की अधिकतम रफ्तार 30 हजार फीट प्रति मिनट तक पहुंच गई। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि यह हादसा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। उन्होंने इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन जांच में मदद के लिए अपनी टीम भेज रहा है। यह टीम नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के साथ मिलकर हादसे की जांच करेगी।



600 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया : हादसा रिहायशी इलाके में हुआ था। फ्लोरिडा के अधिकारियों के मुताबिक, विमान के मलबे और हादसे के असर के कारण करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उनके लिए दो शेल्टर बनाए गए। एविएशन इंडस्ट्री की वेबसाइट एविएशन इंटरनेशनल न्यूज के मुताबिक, हादसे का शिकार विमान साल 2004 में बना था। यानी हादसे के समय यह करीब 22 साल पुराना था। इस दौरान इलाके में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ तूफान भी था। हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि खराब मौसम ही हादसे की वजह था। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि विमान क्रैश से पहले बिजली की लाइन से टकराया था। अधिकारियों ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

रिहायशी इलाके के पास सड़क पर गिरा विमान : हादसे का शिकार हुआ विमान लियरजेट-60 था। यह दक्षिण फ्लोरिडा के एक रिहायशी इलाके के ऊपर से गुजरते समय अचानक नीचे की ओर गिरा और सड़क के पास जोरदार धमाके के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद विमान में भीषण आग लग गई और आसमान में आग का बड़ा गोला दिखाई दिया। विमान सड़क के पास गिरा, जहां जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया। घटनास्थल पर चारों ओर आग की लपटें और काले धुएं का गुबार फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान रिहायशी मकानों के बेहद करीब गिरा। हादसे के दौरान वह घरों से कुछ ही दूरी पर सड़क के पास जा गिरा। मौके पर मौजूद लोग यह देखकर हैरान थे कि विमान मकानों और वहां से गुजर रहे वाहनों से टकराने से बाल-बाल बचा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि हादसे में आसपास के मकानों को कोई नुकसान पहुंचा है या नहीं।

कारों में बैठे लोगों ने बनाया हादसे का वीडियो : हादसे के समय आसपास से गुजर रही कारों में बैठे कुछ लोगों ने विमान के आसमान से तेजी से नीचे गिरने का वीडियो रिकॉर्ड किया। वीडियो में विमान सड़क के पास गिरने के बाद आग के बड़े गोले में बदलता दिखाई दिया। घटनास्थल पर विमान के मलबे और सड़क के टूटे हिस्सों के आसपास आग की लपटें उठती रहीं।

हादसा मिलिट्री ट्रेल और 10वीं एवेन्यू नॉर्थ के पास हुआ। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी और अन्य आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंच गईं। पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सुरक्षा के मद्देनजर सड़क के दोनों ओर यातायात बंद कर दिया और वाहन चालकों से उस इलाके में जाने से बचने की अपील की।

क्वाड का आर्थिक सुरक्षा पर जोर, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में सहयोग बढ़ाएंगे भारत समेत चारों देश

वाशिंगटन , एजेंसी। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आर्थिक और सामरिक सहयोग को नई दिशा देने के लिए भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने क्रिटिकल मिनरल्स आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), समुद्री सुरक्षा और डिजिटल संपर्क के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। चारों देशों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करने वाले आर्थिक दबाव, मनमाने निर्यात प्रतिबंधों और बाजार को विकृत करने वाली नीतियों पर चिंता जताई है। अमेरिका के अटलांटा में 31 अक्टूबर को क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक संपन्न हुई।

इसके बाद संयुक्त बयान जारी किया गया। जिसमें आर्थिक सुरक्षा को वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए जरूरी बताया गया। बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल हुए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी संयुक्त बयान के अनुसार, चारों देशों ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर प्रतिबद्धता दोहराते हुए भरोसेमंद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण उद्योगों में जरूरत से ज्यादा उत्पादन, गैर-बाजार नीतियां और मनमाने निर्यात प्रतिबंध वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। क्वाड के महत्वपूर्ण खनिज पहल ढांचे के तहत चारों देश इलेक्ट्रॉनिक कचरे और कबाड़ से महत्वपूर्ण खनिजों को दोबारा हासिल करने, प्रसंस्करण संयंत्रों और रिफाइनरियों के विकास तथा वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने पर काम करेंगे। अमेरिका ने 'भारत और आसियान देशों में कचरे से महत्वपूर्ण खनिज निकालने वाली सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक करोड़ डॉलर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है।' इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए किसी एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता कम करना है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योगों में इन खनिजों की बढ़ती जरूरत को देखते हुए यह सहयोग आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से अहम है। एआई के क्षेत्र में भी क्वाड ने बड़ी पहल की घोषणा की है। संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, चारों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भरोसेमंद एआई तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए आठ करोड़ 50 लाख डॉलर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता देने का इरादा रखते हैं। इसके लिए क्वाड एसआई एक्सेलेरेटर के माध्यम से काम किया जाएगा। विज्ञप्ति में 'एसआई' यानी 'सुपर इंटेलिजेंस' का उल्लेख किया गया है, जिसे भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के संदर्भ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में परिभाषित किया गया है।

हूती के खिलाफ सऊदी गठबंधन का अभियान, दावा- अहम सैन्य संसाधनों को किया तबाह

रियाद , एजेंसी। यमन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा है कि उसने हूती गुट के महत्वपूर्ण संसाधनों को निष्क्रिय करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया है। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मल्की ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, 'अभियान रविवार सुबह चलाया गया। यह कदम सऊदी अरब और यमन में नागरिकों और नागरिक ठिकानों पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों के जवाब में उठाया गया था।' अल-मल्की ने बताया कि हूती विद्रोही इन संसाधनों का इस्तेमाल अपने युद्ध प्रयासों को समर्थन देने और अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कर रहे थे, खासकर अपने बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन कार्यक्रमों के लिए। समाचार एजेंसी 'सिन्हुआ' के अनुसार, उन्होंने इस अभियान की जगह या इसके नतीजों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। इसके अलावा, रविवार को यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में स्थानीय निवासियों और एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि शहर में एक सरकारी सैन्य ठिकाने के पास हूती मिसाइल गिरी, जिससे एक जोरदार धमाका हुआ। अपना नाम न बताने की शर्त पर 'सिन्हुआ' से बात करते हुए अधिकारी ने बताया कि मिसाइल पश्चिमी अदन के अल-बुरैका जिले में उस सैन्य ठिकाने के पास गिरी, जिसका इस्तेमाल सऊदी समर्थित यमनी सरकारी सेना कर रही थी। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि इसकी गूंज कई इलाकों तक सुनाई दी। हूती समूह ने इस हमले पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। अदन, जो यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का अस्थायी मुख्यालय है, हाल के दिनों में हूती विद्रोहियों द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों की चपेट में आ गया है। यमन 2014 के आखिर से ही संघर्ष में उलझा हुआ है। उस समय हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

'नियमों का उल्लंघन' करने वाले तेल टैंकरों में विस्फोट, बारूदी सुरंग से टकराए थे दोनों: ईरान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पिछले कुछ घंटों के दौरान दो 'नियम उल्लंघन करने वाले' सुपरटैंकर समेत एक तेल टैंकर में धमाका हुआ। कथित तौर पर ये दोनों बारूदी सुरंगों (नेवल माइन्स) से टकराए जिससे विस्फोट हुआ और दोनों वहीं रुक गए। रविवार (स्थानीय समय) को आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सिपाह न्यूज' पर जारी एक बयान में, नौसेना ने कहा कि ये टैंकर जलडमरूमध्य में एक 'अनधिकृत' (बिना अनुमति वाले) रास्ते से गुजर रहे थे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इसमें आगे कहा गया कि सुपरटैंकर में 'एक जोरदार विस्फोट हुआ और वह धू-धू कर जल रहा है।' बताया गया कि दोनों



जहाजों ने अपने नेविगेशन और पहचान प्रणालियों को बंद कर रखा था। ईरान ने 28 फरवरी को इस स्ट्रेट पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली थी। उसने इजरायल और अमेरिका के जहाजों-या उनसे जुड़े जहाजों - के सुरक्षित आवागमन पर रोक लगा दी थी। यह कदम ईरानी क्षेत्र पर उनके संयुक्त हमलों के बाद उठाया गया था। इससे पहले, आईआरजीसी के प्रवक्ता होसैन मोहेब्बी ने कहा कि ईरानी बलों ने 'दुश्मन' को नुकसान पहुंचाने और रोकने के लिए एक विशाल युद्धक्षेत्र तय कर लिया है। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से सिन्हुआ ने बताया कि रविवार (स्थानीय समय) को ईरान के दक्षिण-पूर्वी केरमान प्रांत में एक सम्मेलन में मोहेब्बी ने कहा कि ईरानी बल 'दुश्मन को निर्णायक जवाब देने के लिए' पहले से कहीं अधिक तत्पर हैं। उन्होंने सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई द्वारा वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को दिए गए हालिया आदेशों का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम लीडर के इन निर्देशों ने 'युद्ध का एक नया अध्याय' शुरू कर दिया है। मोहेब्बी ने खामेनेई की उस बात का उल्लेख खासतौर पर किया जिसमें कहा गया कि 'अमेरिका के साथ युद्ध में कोई भौगोलिक सीमा नहीं है।' उन्होंने कहा कि आईआरजीसी ने अपने एजेंडे में दुश्मन के नए ठिकानों की पहचान करना और नए भौगोलिक क्षेत्रों में अभियानों की योजना बनाना शामिल किया है। शनिवार को एक बयान में बताया गया कि ईरान के सर्वोच्च नेता ने सशस्त्र बलों के वरिष्ठ कमांडरों को आदेश दिया है कि 'दुश्मनों' की ओर से आने वाले किसी भी स्तर और प्रकार के खतरे का, बिना किसी भौगोलिक सीमा के, 'तत्काल और प्रभावी' जवाब दिया जाना चाहिए। ये चेतावनियां ऐसे समय में आई हैं।

ऑस्ट्रेलिया के करीब 75 फीसदी लोगों ने माना, 'एक साल में देश और बंटा'

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में राजनीतिक और सामाजिक विभाजन की खाई बढ़ती जा रही है। एक नए सर्वेक्षण में ये खुलासा हुआ है। करीब तीन-चौथाई नागरिकों ने माना कि उनका देश पिछले एक साल में पहले के मुकाबले अधिक बंट गया है। इसके साथ ही सरकार, राजनीतिक दलों और नेताओं पर जनता का भरोसा भी कमजोर हुआ है। स्वतंत्र थिंक टैंक मैकिनॉन की ने ये सर्वे कराया। सर्वेक्षण में 41.9 प्रतिशत लोगों ने इस बात से पूरी तरह सहमति जताई कि ऑस्ट्रेलिया पिछले 12 महीनों में अधिक विभाजित हुआ है, जबकि 32.5 प्रतिशत ने इससे कुछ हद तक सहमति जताई। इस तरह कुल 74.4 प्रतिशत लोगों ने देश में बढ़ते विभाजन को महसूस किया। सर्वेक्षण के मुताबिक, देश जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसे लेकर संतुष्ट लोगों की



संख्या भी घटी है। वर्ष 2025 में 28.8 प्रतिशत लोगों ने खुद को बहुत या कुछ हद तक संतुष्ट बताया था, लेकिन 2026 में यह आंकड़ा घटकर 26.1 प्रतिशत रह गया। वहीं, देश की दिशा को लेकर पूरी तरह असंतुष्ट लोगों की संख्या में 7.2 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, जून और जुलाई में हुए इस सर्वेक्षण में 4,000 से अधिक लोगों से ऑस्ट्रेलिया की राजनीतिक व्यवस्था, नेताओं और संस्थानों को लेकर उनकी राय पूछी गई। सर्वेक्षण में संघीय नेताओं और राजनीतिक दलों पर भरोसे में गिरावट भी सामने आई। वर्ष 2025 में 35.9 प्रतिशत लोगों ने संघीय राजनेताओं पर पूरा भरोसा जताया था, जो 2026 में घटकर 30.5 प्रतिशत रह गया। राजनीतिक दलों पर पूरा भरोसा रखने वालों का अनुपात भी 31.2 प्रतिशत से गिरकर 24.4 प्रतिशत पर आ गया। मैकिनॉन के अंतरिम कार्यकारी अध्यक्ष और विक्टोरिया राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री जॉन थ्वेट्स ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों का लोकतंत्र की संस्थाओं पर भरोसा उस राजनीति के मुकाबले कहीं अधिक है, जो इन संस्थाओं के भीतर संचालित होती है। उन्होंने शिक्षा के आधार पर लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि में अंतर को भी महत्वपूर्ण बताया। थ्वेट्स के अनुसार, 'विश्वविद्यालय की डिग्री या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त लोगों में लोकतंत्र से संतुष्टि का स्तर 59 प्रतिशत है, जबकि हाईस्कूल या उससे कम शिक्षा वाले लोगों में यह केवल 39.7 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी असंतोष सामने आया। जब लोगों से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है।

अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बड़ी दस्तक, 57 चेहरे मंगलवार को आजमाएंगे किस्मत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में इस बार भारतीय मूल के उम्मीदवारों की उल्लेखनीय मौजूदगी देखने को मिल रही है। ओहायो में गवर्नर पद से लेकर लॉस एंजिलिस के मेयर और मैसाचुसेट्स की सीनेट सीट तक, भारतीय मूल के 57 उम्मीदवार मंगलवार को मतदाताओं के बीच अपनी किस्मत आजमाएंगे। यह संख्या अमेरिकी राजनीति में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की बढ़ती भागीदारी और राजनीतिक महत्वाकांक्षा को भी रेखांकित करती है। आईएएनएस ने देशभर से जुटाई एक लिस्ट के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इन 57 उम्मीदवारों में एक सीनेट, 11 प्रतिनिधि सभा, तीन राज्यव्यापी पदों, 36 राज्य विधानमंडलों और छह स्थानीय पदों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। सूची में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को शामिल किया गया है, जिनकी भारतीय मूल की पहचान की पुष्टि हो सकी है।

इसके अलावा 15 ऐसे संभावित उम्मीदवार हैं, जिन्हें भारतीय मूल का माना जा रहा है, लेकिन पर्याप्त पुष्टि नहीं होने के कारण सूची में जगह नहीं मिली है। इन चुनावों में सबसे अधिक निगाहें ओहायो पर रहेंगी, जहां रिपब्लिकन पार्टी के विवेक रामास्वामी गवर्नर पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन को चुनौती दे रहे हैं।

रविवार को उपलब्ध फिफ्टीप्लसवन के पोलिंग औसत में एक्टन को करीब तीन अंकों की बढ़त दिखाई गई। रामास्वामी की उम्मीदवारी इसलिए भी अहम है क्योंकि वह राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं और उनकी जीत अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के नेताओं की स्थिति को एक



नई ऊंचाई दे सकती है। लॉस एंजिलिस में सिटी काउंसिल सदस्य नित्या रमन मौजूदा मेयर करेन बास को चुनौती दे रही हैं। यूसी बर्कले इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंटल स्टडीज और लॉस एंजिलिस टाइम्स के संयुक्त सर्वेक्षण में दोनों उम्मीदवारों को 40-40 प्रतिशत समर्थन मिला, जबकि 19 प्रतिशत मतदाता अब भी अनिर्णीत थे। यह मुकाबला भी भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बढ़ती राजनीतिक पहुंच का एक अहम उदाहरण है। न्यूयॉर्क में रिपब्लिकन उम्मीदवार सरिता कोमाटिरेड्डी अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स के खिलाफ मैदान में हैं। 28 अक्टूबर को जारी सिएना सर्वेक्षण में जेम्स को 54 प्रतिशत और कोमाटिरेड्डी को 39 प्रतिशत समर्थन मिला था। मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर अरुणा मिलर भी दोबारा चुनाव जीतने की कोशिश में हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से वह गवर्नर पद के उम्मीदवार के साथ चुनावी मैदान में हैं, जबकि रिपब्लिकन टिकट में डैन कॉक्स शामिल हैं। सीनेट की एकमात्र भारतीय मूल के उम्मीदवार वाली दौड़ मैसाचुसेट्स में है। यहां शिवा अय्यादुरई निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में डेमोक्रेटिक सीनेटर एड मार्की को चुनौती दे रहे हैं।

अरब पार्टियों ने याशार को समर्थन दिया; चुनाव में किसी दल को बहुमत नहीं मिला

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार हैं। इजराइली मीडिया आई24 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने इस गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया है। वहीं, अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम ने आइजनकोट की याशार पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया है। दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं। नेतन्याहू की पार्टी लिकुड 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। मुख्य विपक्षी पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर है। लिकुड के गठबंधन की 53 और याशार के गठबंधन की 48 सीटें हैं। अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। अब अगर याशार पार्टी अरब पार्टियों के साथ गठबंधन बनाती है तो उनके पास 67 सीटें हो जाएगी।

नेतन्याहू सभी विकल्पों पर विचार कर रहे : इजराइली मीडिया द्व24 न्यूज के मुताबिक, नेतन्याहू की पार्टी लिकुड के करीबी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे आइजनकोट के साथ गठबंधन की संभावना को भी खारिज नहीं कर रहे हैं,



जबकि सार्वजनिक रूप से वे साझा सरकार बनाने की योजना से इनकार कर चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, नेतन्याहू को चिंता है कि आइजनकोट अरब पार्टियों और कट्टरपंथी यहूदी धार्मिक दलों के साथ मिलकर वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं। इससे उन्हें सत्ता से हटना पड़ सकता है।

विपक्षी दलों का समर्थन लेना : नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं। अगर इनमें से कुछ दल या सांसद नेतन्याहू का साथ देने को तैयार हो जाते हैं, तो वे बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों का आंकड़ा हासिल कर सकते हैं।

चुनौती- विपक्षी नेताओं ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का वादा किया था। ऐसे में उनके लिए अब नेतन्याहू का समर्थन करना आसान नहीं होगा।

राष्ट्रीय एकता सरकार बनाना : नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बना सकते हैं। इसमें अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक साथ आ सकती हैं। चुनौती- नेतन्याहू के कुछ सहयोगी भी इस विकल्प पर चर्चा कर चुके हैं। इससे नेतन्याहू को प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का मौका मिल सकता है। लेकिन आइजनकोट पहले ही नेतन्याहू के नेतृत्व का विरोध कर चुके हैं। ऐसे में दोनों के बीच सहमति बनना मुश्किल हो सकता है।

अल्पमत सरकार बनाना : नेतन्याहू अल्पमत सरकार बनाने का विकल्प भी चुन सकते हैं। ऐसी सरकार के पास अपने गठबंधन में 61 सांसद नहीं होते। इसके बावजूद वह संसद में दूसरे दलों के समर्थन या उनके विरोध न करने के भरोसे चल सकती है।

चुनौती- ऐसी सरकार को बजट पास कराने, विश्वास मत जीतने और दूसरे जरूरी फैसलों के लिए बार-बार दूसरे दलों का समर्थन जुटाना पड़ता है। इसलिए अल्पमत सरकार बनाना ही नहीं, उसे लंबे समय तक चलाना भी मुश्किल होगा। आइजनकोट अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम के समर्थन से सरकार बना सकते हैं। विपक्षी गठबंधन की 48 और अरब पार्टियों की 19 सीटें मिलाकर उनके पास 67 सांसदों का समर्थन है। यह बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों से ज्यादा है। आइजनकोट और अरब पार्टियों के बीच कई नैतिक मतभेद हैं। साथ ही नेतन्याहू भी इसे देश के साथ गद्दारी बता चुके हैं।



बच्चों को घर बैठे खेल-खेल में सिखाएं गणित के गुण

कोरोना वायरस महामारी के बाद कई छात्र काफी मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं। इस तनाव को दूर करने के लिए कई छात्र नए-नए हुनर सीख रहे हैं। ऐसे में भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग काफी बढ़ गई है। माता-पिता अपने बच्चों को नए कौशल सिखाने के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को गणित और सांख्यिकी गणना सिखाना चाहते हैं तो अबेकस ट्रेनिंग क्लास की मदद से आप अपने बच्चों को खेल में गणित पढ़ा सकते हैं।

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है। माता-पिता अलग-अलग ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ढूंढ रहे हैं जिसके माध्यम से उनके बच्चों को रचनात्मक सीखने के माहौल में पाला जा सकता है। गणित और संख्या कुछ बच्चों के लिए स्वाभाविक रूप से आती है, लेकिन जब गणना की बात आती है तो स्कूल और कॉलेज के छात्रों का एक बड़ा हिस्सा कुछ हद तक संघर्ष करता है। अबेकस, जैसा कि हम सभी जानते हैं, सदियों से मौजूद है और इसे अंकगणितीय कौशल और संख्यात्मक प्रवाह को विकसित करने के लिए दुनिया भर में सबसे अच्छे उपकरणों में से एक माना जाता है। अबेकस टूल का उपयोग गणितीय कार्यों जैसे जोड़, घटाव, गुणा, वर्ग या घनमूल को करने के लिए किया जाता है। अबेकस का उपयोग दशमलव अंक, ऋणात्मक संख्या और बहुत कुछ गिनने के लिए भी किया जा सकता है। अपने गणना कौशल में सुधार के अलावा, अबेकस सीखने से बच्चे के समग्र विकास में मदद मिल सकती है। अबेकस सीखने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं :

- कैलकुलेशन की गति और सटीकता में सुधार करता है
- विश्लेषणात्मक कौशल और तार्किक रीजनिंग का निर्माण करता है
- गणित में रुचि पैदा करता है
- एकाग्रता और अवलोकन शक्ति को बढ़ाता है
- मेमोरी में सुधार करता है
- आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बनाता है

यहां भारत में पांच ऐसे प्लेटफार्मों के बारे में बताया गया है जो 100 प्रतिशत डिजिटल एबेकस प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और युवाओं को भविष्य के रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित करते हैं।



ब्रिटिश यूथ इंटरनेशनल कॉलेज

यूके स्थित प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन अबेकस शिक्षण मंच लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। उनके मंच में पूरी तरह कार्यात्मक वर्चुअल अबेकस है जो बच्चों के समग्र मानसिक विकास के लिए इंटरैक्टिव प्रशिक्षक के नेतृत्व वाली अबेकस शिक्षण पद्धति का उपयोग करता है। ये ऑनलाइन कक्षाएं चरण-दर-चरण अप्रोच प्रदान करती हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को अबेकस को ध्यान में रखकर मार्गदर्शन करना और कैलकुलेटर की तुलना में तेजी से संख्या की गणना करना है। शिक्षक प्रत्येक छात्र को गहन शिक्षण प्रदान करते हैं। वे जोड़, घटाव, गुणा, भाग, दशमलव जोड़, दशमलव घटाव, दशमलव गुणा और दशमलव भाग को कवर करते हैं। वे एकमात्र अबेकस कंपनी हैं जो दशमलव आधारित गणना प्रदान करती हैं।

उडेमी

उदमी अबेकस कोर्स का उद्देश्य आपकी गणना, क्षमता, संख्या बोध और मानसिक अंकगणित को बेहतर बनाने में मदद करके मस्तिष्क का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम मल्टीमीडिया और एनिमेशन के जरिये आपको सिखाएगा कि अबेकस पर सही और तेज बुनियादी गणित संचालन कैसे करें। इन अबेकस ऑनलाइन कक्षाओं को शुरू करके बच्चे अबेकस पर संख्याएं रखने, हल करने और जोड़ और घटाव को समझने में सक्षम होंगे।

अबेकस सुपरमैथ्स

'सुपरमैथ्स' छात्रों को अबेकस टूल का उपयोग करने के लिए एक दोस्ताना और इंटरैक्टिव मंच प्रदान करता है। उनकी कक्षाएं आपको ऑनलाइन वर्कशीट पर काम करके मानसिक सिद्धांत अवधारणाओं को अभ्यास में लाने की अनुमति देती हैं। यह कोर्स दो ट्रैक में आता है, जूनियर और सीनियर। पहले ट्रैक में 11 स्तर होते हैं जबकि दूसरे वरिष्ठ ट्रैक में 8 स्तर होते हैं। प्रत्येक स्तर के अंत में एक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है जिसके बाद छात्र को अगले स्तर पर पदोन्नत किया जाता है। वे प्रशिक्षक के नेतृत्व में आवेदन आधारित वीडियो कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाते हैं।

अबेकस मास्टर

अबेकस मास्टर ने अबेकस को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए अनूठी विशेषताओं के साथ एक व्यापक शिक्षण मंच बनाया है। यह ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 5-12 वर्ष की आयु के बीच के छात्रों को अबेकस प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें आठ स्तर शामिल होते हैं जो बुनियादी से लेकर उन्नत अबेकस गणनाओं तक सभी विषयों को कवर करते हैं। छात्र इस पाठ्यक्रम को अपनी गति के हिसाब से ले सकते हैं; हालाँकि, पोर्टल पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए प्रत्येक स्तर पर कम से कम दो महीने बिताने का सुझाव देता है। उनकी कक्षाएं एनिमेशन, अंजान वीडियो और प्रैक्टिस वर्कशीट की मदद से दी जाती हैं।

स्मार्ट किड अबेकस

स्मार्ट किड की 'अबेकस प्रेंच्याइजी' बच्चों के लिए अबेकस ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करती है। ये कक्षाएं सप्ताह में एक बार 45 मिनट के लिए आयोजित की जाती हैं। समय में कोई पाबन्दी नहीं है और छात्र कई प्रकार के पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं। यह आठ स्तरीय पाठ्यक्रम है जिसमें 5 बुनियादी और 3 अग्रिम स्तर हैं। पाठ्यक्रम 4-14 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं और ये पाठ्यक्रम कौशल के विकास के साथ-साथ संपूर्ण मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देते हैं।



फ्लाइट में यात्रियों की मेहमान नवाजी कर कमाएं हजारों

केबिन क्रू का मतलब होता है केबिन के कर्मचारी। किसी भी फ्लाइट में जहाँ यात्री बैठते हैं, उसे केबिन कहते हैं। फ्लाइट में यात्रियों की सेवा और सुरक्षा के लिए जो टीम होती है, उसे केबिन क्रू कहते हैं। केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें। आज के इस लेख में हम आपको केबिन क्रू बनने के लिए जरूरी योग्यता, प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देंगे

केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें।

योग्यता

- उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स किसी भी स्ट्रीम में पास होना चाहिए। या किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी अगर आपने किसी भी सब्जेक्ट में स्नातक की हो तो आप केबिन क्रू की जॉब के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक की ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए।
- आवेदक की आयु 17 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

जरूरी कौशल

- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए दूसरों के साथ अच्छी तरह से बातचीत करने का ढंग होना चाहिए।
- आपके शरीर पर किसी प्रकार का टैटू नहीं होना चाहिए।
- आपकी अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी पर्सनालिटी और गुड लुक्स भी जरुरी होते हैं।

कोर्सेज

- डिप्लोमा इन केबिन क्रू एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन केबिन क्रू
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एयर हॉस्टेस

केबिन क्रू कैसे बनें

- एयरलाइन कंपनियां समय-समय पर केबिन क्रू की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी करती हैं।
- केबिन क्रू का एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद आवेदक को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- इंटरव्यू क्लियर करने के बाद आवेदक की शारीरिक जाँच और मेडिकल टेस्ट होता है।
- मेडिकल टेस्ट क्लियर करने के बाद ग्रुप डिस्कशन होता है।
- इन सभी टेस्ट्स को पास करने वाले उम्मीदवारों का चयन केबिन क्रू के लिए होता है।

सैलरी

शुरुआत में बतौर केबिन क्रू आपकी सैलरी प्रतिमाह 30,000 रूपये से 50,000 रूपये तक हो सकती है। हालंकि, समय के साथ अनुभव होने पर सैलरी बढ़कर 70 हजार रूपये से 1 लाख रूपये प्रतिमाह तक हो सकती है।



वैकल्पिक चिकित्सा में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो चुनें मैग्नेटिक थेरेपी

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए।

मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्नो थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिंपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगो, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्यूपंक्चर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कॅरियर-

स्किल्स

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थैरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफिकेट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10. 2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंपलायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- एक्यूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टीटमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
- कॉलेज ऑफ क्लिनकिल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बैंगलोर
- महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर





एक्वापॉनिक्स फार्मिंग में है बेहतर भविष्य

एक्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है।

आज के समय में एग्रीटेक स्टार्टअप बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। एक्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है जबकि इसमें पौधे दोगुनी रफ्तार से बढ़ते हैं। एक्वापॉनिक्स में एक फिश टैंक में मछली पालन किया जाता है और दूसरी तरफ पानी पर हाइड्रोपोनिक खेती का सिस्टम बनाया जाता है। फिश टैंक में मछलियां फीड खाने के बाद करीब 70 फीसदी तक मल निकालती हैं जिसमें अमोनिया होता है। इसके बाद फिश टैंक से अमोनिया वाले पानी को हाइड्रोपोनिक खेती के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जब ये पानी पौधों की जड़ों तक पहुंचता है तो वहां मौजूद बैक्टीरिया इसे नाइट्रोजन में तोड़ देते हैं। यह पौधों के विकास के लिए बहुत ही अहम होता है। इसके बाद पानी को फिर से प्यूरिफाई किया जाता है और दोबारा मछलियों के टैंक में डाला जाता है। इस तरह एक ही पानी बार-बार इस्तेमाल होता रहता है और पानी की बचत होती है।

एक्वापोनिक फार्मिंग सेटअप तैयार करने में कितनी लागत आएगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बड़ा सेटअप तैयार करना चाहते हैं या छोटा। उदाहरण के लिए अगर आप एक एकड़ जमीन पर एक्वापोनिक फार्मिंग करते हैं तो आपका करीब 3 करोड़ रूपए तक का खर्चा आ सकता है। इसके साथ ही अगर आप मुनाफा चाहते हैं तो आपको अच्छी क्वालिटी वाली चीजें इस्तेमाल करनी होंगी। एक्वापोनिक खेती से हुई पैदावार पूरी तरह ऑर्गेनिक होती है इसलिए आप इसके लिए सामान्य की तुलना में दो से तीन गुना कीमत कमा सकते हैं। हालाँकि, आपको पैदावार से पहले ही उसे बेचने की तैयारी कर लेनी होगी वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है। इसके लिए आप बड़े-बड़े रिटेल स्टोर, रेस्टोरेंट और फाइव स्टार होटलों से कॉन्ट्रैक्ट कर सकते हैं।

शादी में जा रहे ऑटो को कार ने मारी टक्कर, महिला की मौत, युवक का पैर कटा

रामनगर, नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जनपद के रामनगर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में शादी समारोह में शामिल होने जा रही एक महिला की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में एक युवक का पैर एड़ी के पास से कटकर अलग हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। पुलिस ने फरार कार चालक को हिरासत में ले लिया है।

शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था परिवार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामनगर के मोहल्ला खताड़ी निवासी 50 वर्षीय रुखसाना अपने परिवार के सदस्यों और बच्चों के साथ ऑटो में सवार होकर पीरुमदारा स्थित आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने जा रही थीं। बताया जा रहा है कि ऑटो में करीब 12 लोग सवार थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे–309 पर टांडा चिल्किया स्थित राइस मिल के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार



स्विफ्ट डिजायर कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

महिला की मौत, युवक का पैर कटकर हुआ अलग

हादसे में ऑटो सवार 50 वर्षीय रुखसाना की मौत हो गई। वहीं, 30 वर्षीय चांदनी का पैर एड़ी के पास से कटकर अलग हो गया। दुर्घटना में चार बच्चों समेत कई अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार, सोफिया, रुखसार और अब्दुल रहमान समेत कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों का उपचार जारी है।

फरार कार चालक पुलिस की हिरासत में

हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया था। हालांकि, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आवंटित दुकानों में पालिका को मिली अनियमितता

कर्णप्रयाग। नगर पालिका ने मंगलवार को सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान पालिका की ओर से आवंटित दुकानों को अन्य लोगों को किराये पर दिए जाने की शिकायतें सही मिली। कई दुकानें अनियमितता के दायरे में आईं। अब इन दुकानों के बॉन्ड रद करने की कार्रवाई की जाएगी।

पालिका को नगर पालिका क्षेत्र में दुकानों को महंगे दामों पर दूसरे व्यक्तियों को किराये पर देने की शिकायतें मिल रही थी। इन शिकायतों के बाद पालिका ने मंगलवार से सत्यापन अभियान शुरू किया। अभियान के पहले दिन बस अड्डा और पोखरी पुल सहित 25 से अधिक दुकानों की जांच की गई। पालिका के अधिशासी अधिकारी नरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि कई दुकानों को मूल के बजाय अन्य लोग चला रहे थे। इन दुकानों को चिह्नित किया गया है। यह अभियान अगले तीन से चार दिन तक जारी रहेगा। अधिशासी अधिकारी रावत के अनुसार अभियान पूरा होने के बाद ही सभी आंकड़े सार्वजनिक किए जाएंगे। इसके बाद चिह्नित दुकानों के बॉन्ड रद्द करने की प्रक्रिया शुरू होगी।

देहरादून से चार्टर हेलीकॉप्टर सेवाओं पर लगा ब्रेक, हेली ऑपरेटरों ने बंद की उड़ानें



देहरादून। उत्तराखंड में चार्टर हेलीकॉप्टर सेवाओं को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। देहरादून से संचालित होने वाली चार्टर हेलीकॉप्टर सेवाओं पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने से पहले ही हेली ऑपरेटरों ने अपनी उड़ानें बंद कर दी हैं। इससे चार्टर हेलीकॉप्टर के जरिए धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंचने वाले यात्रियों को अब इन सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। चारधाम यात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर सेवाएं श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण साधन बनी रहती हैं। विशेष रूप से केदारनाथ और बदरीनाथ धाम की यात्रा के दौरान हवाई सेवाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को कम समय में यात्रा पूरी करने की सुविधा मिलती है। वहीं, चार्टर हेलीकॉप्टर सेवाओं का उपयोग निजी यात्राओं, पर्यटन और विशेष यात्राओं के लिए भी किया जाता है। चारधाम यात्रा का सीजन समाप्ति की ओर बढ़ने और धामों के कपाट बंद होने की प्रक्रिया के बीच हेली ऑपरेटरों द्वारा उड़ानें बंद किए जाने से हवाई सेवाओं की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। हालांकि, चार्टर सेवाएं बंद होने के पीछे ऑपरेटरों की ओर से आधिकारिक कारण और आगामी संचालन को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। चारधाम यात्रा के समापन के साथ ही उत्तराखंड में हवाई पर्यटन गतिविधियों में भी मौसमी बदलाव देखने को मिलता है। अब यात्रियों की नजर इस बात पर रहेगी कि चार्टर हेलीकॉप्टर सेवाएं दोबारा कब शुरू होंगी।

केंद्रीय वन मंत्री से मिले सीएम धामी



देहरादून। उत्तराखंड में हाईकोर्ट को नैनीताल से हल्द्वानी स्थानांतरित करने की कवायद तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात कर हल्द्वानी के लामाचौड़ क्षेत्र में उच्च न्यायालय के स्थायी परिसर के निर्माण का प्रस्ताव रखा। इस दौरान प्रस्तावित भूमि के लिए आरक्षित वन भूमि के हस्तांतरण और वन भूमि डायवर्जन की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री धामी ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि नैनीताल में वर्तमान हाईकोर्ट परिसर की भौगोलिक स्थिति और लगातार बढ़ते यातायात दबाव के कारण कई तरह की चुनौतियां सामने आ रही हैं। चाइना पीक की तलहटी में स्थित न्यायालय परिसर में भूस्खलन की आशंका बनी रहती है। वहीं, प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण नैनीताल में वर्षभर पर्यटकों और वादकारियों की आवाजाही रहती है, जिससे आवागमन और पार्किंग की व्यवस्था भी प्रभावित होती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में आधुनिक और सुविधायुक्त न्यायिक आधारभूत ढांचे का विकास आवश्यक है। हल्द्वानी के लामाचौड़ क्षेत्र में प्रस्तावित स्थल सड़क और राष्ट्रीय राजमार्गों से बेहतर तरीके से जुड़ा हुआ है।

किशोर ने पहले दिखाई अश्लील फिल्म, फिर छह साल की मासूम से किया दुष्कर्म

देहरादून। राजधानी देहहरादून के पटेलनगर थाना क्षेत्र में अश्लील फिल्म दिखाकर सोमवार को छह साल की मासूम से एक किशोर ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने घटना सामने आने के बाद किशोर को संरक्षण में लेकर किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया जहां से उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। सीओ सदर अंकित कंडारी ने बताया कि मूल रूप से बिहार का रहने वाला परिवार पटेलनगर थाना क्षेत्र में रहता है। उनके पड़ोस में रहने वाला करीब 15 वर्षीय किशोर सोमवार को उनकी छह वर्षीय बच्ची को अपने साथ ले गया था। वहां उसने बच्ची को अश्लील फिल्म दिखाई और उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची घर आई तो वह डरी सहमी थी। परिजनों ने उससे पूछा तो उसने आपबीती बताई।

लालढांग रेंज से हाथी दांत गायब होने का मामला गरमाया

देहरादून,लैंसडाउन वन प्रभाग की लालढांग रेंज से हाथी दांत गायब होने का मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। प्रकरण सामने आने के कई दिन बीत जाने के बावजूद वन मुख्यालय अब तक गायब हाथी दांतों की संख्या और उनके कुल वजन की पूरी जानकारी जुटाने में सफल नहीं हो पाया है। विभागीय स्तर पर इस मामले में बरती जा रही ढिलाई को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वन विभाग की ओर से पुलिस में एफआईआर (ाफ) भी दर्ज करवाई जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद वर्षों से स्टोर में सुरक्षित रखे गए हाथी दांतों का कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया है। वन विभाग के लिए यह मामला अब एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

कई साल से स्टोर में रखे थे हाथी दांत

जानकारी के अनुसार, लालढांग रेंज में हाथी दांत कई वर्षों से स्टोर में रखे हुए थे। इनकी सुरक्षा और रखरखाव की जिम्मेदारी वन विभाग के पास थी। ऐसे में स्टोर से हाथी दांतों का गायब होना विभागीय निगरानी व्यवस्था पर गंभीर



सवाल खड़े करता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतने लंबे समय तक स्टोर में रखे हाथी दांतों का नियमित सत्यापन क्यों नहीं किया गया और यदि किया गया तो उनके गायब होने की जानकारी समय रहते सामने क्यों नहीं आ सकी।

फिर भी नहीं मिल रही पूरी जानकारी

मामला पुलिस तक पहुंचने के बाद भी वन मुख्यालय के पास गायब हाथी दांतों की संख्या और वजन का स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं होना चिंता का विषय है। वन मुख्यालय की ओर से अब तक इस संबंध में पूरी जानकारी नहीं जुटा पाना विभागीय रिकॉर्ड और निगरानी व्यवस्था की स्थिति को उजागर करता है।

हाथी दांत वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से बेहद संवेदनशील सामग्री माने जाते हैं। ऐसे में इनका गायब होना केवल विभागीय लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय भी है।

जांच के बीच उठ रहे कई सवाल

इस पूरे प्रकरण में अब कई अहम सवाल सामने आ रहे हैं। स्टोर में रखे हाथी दांत आखिर कब और किन परिस्थितियों में गायब हुए? उनकी संख्या और वजन का रिकॉर्ड किस स्तर पर रखा गया था? नियमित निरीक्षण के दौरान इस कमी का पता क्यों नहीं चला? और पुलिस में एफआईआर दर्ज होने के बाद भी वन मुख्यालय अब तक पूरी जानकारी क्यों नहीं जुटा पाया?

इन सवालों के जवाब सामने आना जरूरी है, ताकि मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके और जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

टिहरी लेक फेस्टिवल 18 से 20 दिसंबर तक कराने का प्रस्ताव

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में टिहरी झील महोत्सव 18 से 20 दिसंबर तक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया है। महोत्सव का उद्घाटन और समापन कार्यक्रम नई टिहरी में कराने और स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया।मंगलवार को हुई बैठक में टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय, घनसाली विधायक शक्तिलाल शाह, डीएम नितिका खंडेलवाल और सीडीओ वरुणा अग्रवाल सहित पालिकाध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों के बीच टिहरी लेक फेस्टिवल के आयोजन को लेकर चर्चा की गई। महोत्सव 18,19 और 20 दिसंबर को आयोजित करने पर विचार किया गया।टिहरी विधायक और पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने कहा कि झील महोत्सव का उद्घाटन और समापन कार्यक्रम जिला मुख्यालय में कराने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि मेले में स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जाए। घनसाली विधायक ने मेले में पारंपरिक वाद्य यंत्र के वादकों की प्रतियोगिता कराने, चंबा पालिकाध्यक्ष शोभनी धनोला ने महिला समूहों की भागीदारी बढ़ाने, प्रतापनगर प्रमुख मनीषा पंवार ने महिलाओं को अवसर देने और कीर्तिनगर की प्रमुख अंचला खंडेलवाल ने काष्ठ कला और हस्तशिल्पियों को भी आमंत्रित करने को कहा।

ट्रांस भारत एविएशन की उड़ानें बंद, यात्रियों की बुकिंग चिप्सन में शिफ्ट

रुद्रप्रयाग। जोशीमठ के पास हुए हेलिकॉप्टर हादसे के बाद ट्रांस भारत एविएशन की उड़ानें बंद हैं। ऐसे में केदारनाथ यात्रा के लिए इस कंपनी से टिकट बुक कराने वाले यात्रियों पर असर पड़ा है। हालांकि यात्रियों को परेशानी न हो इसके लिए उनकी बुकिंग दूसरी कंपनी चिप्सन एविएशन में शिफ्ट की जा रही है।

गुप्तकाशी और फाटा से केदारनाथ के लिए संचालित होने वाली ट्रांस भारत एविएशन की उड़ानों पर फिलहाल रोक है। हेली सेवाओं के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि डीजीसीए के आदेश के बाद ट्रांस भारत एविएशन की उड़ानें अग्रिम आदेशों तक रद्द कर दी गई हैं। कंपनी के माध्यम से पहले से बुकिंग कराने वाले यात्रियों को चिप्सन एविएशन में शिफ्ट किया जा रहा है। इसी कंपनी के हेलिकॉप्टर से यात्रियों को केदारनाथ के दर्शन कराए जा रहे हैं। वहीं इस वर्ष केदारनाथ यात्रा के दौरान करीब 1.20 लाख श्रद्धालुओं ने हेलिकॉप्टर से धाम तक की यात्रा की है।

लखवाड़ बांध प्रभावितों को रोजगार दे कंपनी

नई टिहरी। डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में लखवाड़ बांध प्रभावितों ने यूजेवीएनएल कंपनी में रोजगार देने की मांग की गई। प्रभावितों ने परिसंपत्तियों का भुगतान करने की मांग भी उठाई। डीएम ने कहा कि जिनकी मुआवजा संबंधी पत्रावलियां तैयार कर दी गई है उनकी फाइलें भुगतान के लिए शीघ्र अग्रसारित करें।कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में बांध प्रभावितों ने यूजेवीएन कंपनी में रोजगार के लिए शीघ्र विज्ञापन जारी करने और यूजेवीएनएल के लखवाड़ बांध कार्यालय और अतिथि गृह आदि में स्थानीय युवाओं को नियुक्त देने की मांग की। लखवाड़ बांध से पूर्ण प्रभावित ग्राम रणोगी, कुन्ना और लोहारी का विस्थापन, पहले अधिग्रहित भूमि का भुगतान करने, परिसंपत्तियों का मूल्यांकन करने, घराट और अन्य व्यवसायिक परिसपत्तियों का मुआवजा देने की मांग की गई।

मां का उत्तराखंड से रहा विशेष लगाव : बांसुरी स्वराज

विकासनगर। भाजपा की सह प्रभारी एवं सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा उनकी मां सुषमा स्वराज का उत्तराखंड की धरती से विशेष लगाव रहा है। मां के उत्तराखंड से जुड़ाव के कारण उनका भी इस प्रदेश से भावनात्मक रिश्ता है। आज उत्तराखंड की सह प्रभारी के रूप में यहां आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वह मंगलवार को क्षेत्र के वेडिंग प्वाइंट में आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन समारोह में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा किसी भी संगठन की मजबूती समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

हरिद्वार में सेक्स रैकेट पर पुलिस का शिकंजा, 3 आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार के सिडकुल क्षेत्र में एक होटल में कथित तौर पर संचालित देह व्यापार के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और सिडकुल पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, होटल से दो महिलाओं को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। पुलिस को मौके से आपत्तिजनक सामान भी बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, सिडकुल क्षेत्र स्थित एक होटल में संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिली थी। इसके बाद एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र रमोला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने होटल में दबिश दी। अचानक हुई छापेमारी से होटल परिसर में हड़कंप मच गया। टीम ने होटल के कमरों और परिसर की तलाशी लेकर कार्रवाई की।

ऑनलाइन बुकिंग और वॉट्सऐप के जरिए ग्राहकों से संपर्क

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कथित तौर पर इस नेटवर्क को संचालित करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और वॉट्सऐप का इस्तेमाल किया जा रहा था। ग्राहकों से संपर्क कर महिलाओं



की तस्वीरें भेजी जाती थीं और इसके बाद रकम तय की जाती थी।

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, कुछ मामलों में एक रात के लिए 1,500 रुपये से सौदा शुरू होने की बात सामने आई है। वहीं, महिलाओं की उम्र के आधार पर 8 हजार रुपये तक की मांग किए जाने की जानकारी भी मिली है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहनता से जांच कर रही है।

तीन आरोपी गिरफ्तार, दो महिलाओं को सुरक्षित निकाला

छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से एक महिला और दो पुरुषों को गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त होटल में मौजूद दो महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

पुलिस के अनुसार, इन महिलाओं से कथित तौर पर जबरन देह व्यापार कराया जा रहा था। फिलहाल दोनों महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। मामले में पीड़ित महिलाओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्रवाई की जा रही है।

मानव तस्करी के पहलू से भी जांच

पुलिस इस मामले को मानव तस्करी के संभावित पहलू से भी जोड़कर जांच कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि महिलाओं को होटल तक किस तरह लाया गया और इस पूरे नेटवर्क में अन्य कौन–कौन लोग शामिल हैं।

इसके साथ ही होटल प्रबंधन की भूमिका, ऑनलाइन माध्यम से ग्राहकों तक पहुंच बनाने वाले लोगों और नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों की भी पड़ताल की जा रही है।

संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र रमोला के मुताबिक, संयुक्त टीम की कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और दो महिलाओं को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है।

मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। जांच के आधार पर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस चार नवंबर से शुरू करेगी भूमि बचाओ अभियान



देहरादून प्रदेश कांग्रेस की ओर से चार नवंबर से विधानसभा वार भूमि बचाओ अभियान शुरू किया जाएगा। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रदेश महासचिव संगठन राजेंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि नैनीताल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य व सीडब्लूसी सदस्य गुरदीप सप्पल को जिलाध्यक्ष को प्रभारी नामित किया गया। इसके अलावा अल्मोड़ा में विधायक मनोज तिवारी, पूर्व विधायक गोविंद सिंह कुंजवाल, रानीखेत में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, हल्द्वानी में विधायक तिलक राज बेहड़, सुमित हृदयेश, भीमताल में विधायक भुवन कापड़ी, आदेश चौहान, देहरादून व ऋषिकेश में पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत, जिलाध्यक्ष, विकासनगर में प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, मसूरी में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, टिहरी में विधायक विक्रम सिंह नेगी व लखपत बुटोला, हरिद्वार में पूर्व सीएम हरीश रावत, विधायक ममता राकेश, अनुपमा रावत, रवि बहादुर, रानीपुर में विधायक फुरकान अहमद, विरेंद्र जाती को प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

अब पूंजीगत मूल्य के आधार पर लगेगा भवनकर

विकासनगर। नगर पालिका परिषद विकासनगर की बोर्ड बैठक में शहर के विकास और राजस्व से जुड़े 22 अहम प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से मुहर लगा दी गई। विधायक मुन्ना सिंह चौहान की मौजूदगी में हुए इन फैसलों में सबसे बड़ा बदलाव भवनकर (हाउस टैक्स) प्रणाली में किया गया है। अब शहर में भवनों के पूंजीगत मूल्य (कैपिटल वैल्यू) के आधार पर कर वसूला जाएगा। इसके अलावा शहर में स्मार्ट लाइटें लगाने, हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगाने और जर्जर इमारतों को ढहाकर पार्किंग बनाने के प्रस्ताव भी पारित किए गए हैं।बोर्ड बैठक में भवनकर की नई व्यवस्था लागू करने पर सहमति बनी है। अब भवन के आकार और उसके उपयोग (आवासीय या व्यावसायिक) के आधार पर कर की दरें तय होंगी। नई कर प्रणाली के तहत आवासीय भवनों पर 0.02 प्रतिशत, 200 वर्ग मीटर तक की दुकानों पर 0.04 प्रतिशत और अन्य व्यावसायिक भवनों पर 0.07 प्रतिशत की दर से भवनकर वसूला जाएगा। इससे कर गणना का पूरा तरीका बदल जाएगा।

लापता खच्चरों के मुआवजे पर दो पक्षों में विवाद

फाटा। केदारघाटी में 31 जुलाई 2024 को जंगलचट्टी में आई आपदा के दौरान लापता हुए दो खच्चरों के मुआवजे को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। एक व्यक्ति ने दूसरे पर उसके खच्चरों का मुआवजा प्राप्त करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली सोनप्रयाग में प्राथमिकी दी और जांच की मांग की।जानकारी के अनुसार देवली भणिग्राम के शेरवानी निवासी रोशन लाल जंगलचट्टी में दुकान चलाने के साथ ही घोड़े–खच्चरों का व्यवसाय करते हैं। उन्होंने बताया कि 31 जुलाई 2024 को आई आपदा के दौरान उनके दो खच्चर लापता हो गए थे। मुआवजे के संबंध में जानकारी जुटाने पर उन्हें पता चला कि प्रशासन की ओर से उनके खच्चरों का मुआवजा शर्मा लाल हरकत निवासी किसी अन्य व्यक्ति को दे दिया गया है। रोशन लाल का आरोप है कि लापता खच्चरों से संबंधित टैग, दस्तावेज और अन्य जरूरी औपचारिकताएं उनके नाम पर दर्ज हैं। इसके बावजूद किसी दूसरे व्यक्ति को मुआवजा दिया जाना गलत है। उन्होंने मामले की जांच कर न्याय दिलाने की मांग की। इधर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरेश बलूनी ने बताया कि प्राथमिकी मिलने के बाद दोनों पक्षों को आपसी समझौते के लिए कहा गया था। समझौता नहीं होने की स्थिति में संबंधित पक्ष न्यायालय की शरण ले सकते हैं।

ब्लैकमेलिंग केस में उर्मिला सनावर को जमानत

देहरादून। अभिनेत्री उर्मिला सनावर से जुड़े ब्लैकमेलिंग और जान से मारने की धमकी देने के कथित मामले में नया मोड़ सामने आया है। अदालत से जमानत मंजूर होने के बावजूद उनकी जेल से रिहाई की प्रक्रिया अटक गई है। जमानत के लिए पेश किए गए दो जमानतियों के सत्यापन में कथित अनियमितताएं सामने आने की जानकारी मिली है। दोनों जमानतियों को फर्जी बताए जाने की खबर भी सामने आई है। वहीं, जमानत निरस्त होने की चर्चा के बीच अभी तक इस संबंध में आधिकारिक न्यायालय आदेश की पुष्टि नहीं हो सकी है। ऐसे में उर्मिला सनावर की रिहाई और जमानत की वर्तमान स्थिति को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है। किन दलीलों के आधार पर मिली जमानत? उर्मिला सनावर की जमानत याचिका पर अउखट कोर्ट में सुनवाई



हुई थी। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता प्रीति चौहान ने अदालत में दलीलें पेश कीं। उनके अनुसार, भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(5) और 308(7) के प्रावधानों को लेकर अदालत के समक्ष पक्ष रखा गया कि मामले के तथ्यों के आधार पर ये धाराएं उर्मिला सनावर पर लागू नहीं होती हैं। बचाव पक्ष की दलीलों पर विचार करने के बाद अदालत ने जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। हालांकि, जमानत मिलने के बाद भी रिहाई के लिए निर्धारित कानूनी औपचारिकताएं पूरी करना आवश्यक था।अदालत की ओर से 50 हजार रुपये के व्यक्तिगत मुचलके के साथ इतनी ही राशि के दो सक्षम जमानती पेश करने की शर्त रखी गई थी। इसके बाद जमानतदारों के पहचान पत्र और अन्य दस्तावेजों का सत्यापन कराया गया।

जमानतदारों के सत्यापन में क्या सामने आया?

जमानत मंजूर होने के बाद उर्मिला सनावर की जेल से रिहाई की उम्मीद बढ़ गई थी, लेकिन जमानतदारों के सत्यापन के दौरान कथित गड़बड़ी सामने आने से मामला उलझ गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दोनों जमानतियों की वास्तविकता पर सवाल उठे और उन्हें कथित तौर पर फर्जी बताया गया। इसके बाद जमानत निरस्त होने की खबरें भी सामने आईं। हालांकि, सत्यापन रिपोर्ट और न्यायालय के आधिकारिक आदेश की पुष्टि के बिना जमानत रद्द होने की स्थिति को अंतिम रूप से स्पष्ट नहीं माना जा सकता। फिलहाल जमानतदारों के दस्तावेजों की जांच और अदालत के अगले कदम पर नजर बनी हुई है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

रोहित-विराट 6 साल बाद न्यूजीलैंड में साथ खेलेंगे

कोहली ने यहां 50 की औसत से 596 रन बनाए, रोहित को अब भी शतक का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे। टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है।

न्यूजीलैंड में कोहली का रिकॉर्ड रोहित से बेहतर - न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है। कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं।

भारत-न्यूजीलैंड पहला वनडे आज

15 हजार रन से 400 छक्कों तक, रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में बना सकते हैं 5 रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक वनडे सीरीज के लिए भारत तैयार है। इसका पहला मुकाबला आज (4 नवंबर) को ऑकलैंड में खेला जाएगा। इस सीरीज में रोहित शर्मा के पास कई रिकॉर्ड तोड़ने और नए मुकाम हासिल करने का मौका होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज में शानदार फॉर्म दिखाने वाले रोहित चाहेंगे कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों में भी बेहतरीन प्रदर्शन करें। न्यूजीलैंड में खेले गए वनडे मैचों की बात करें तो रोहित शर्मा ने 14 मैचों की 13 पारियों में 36.41 के औसत से 437 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। रोहित शर्मा के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच वनडे में 21 हजार अंतरराष्ट्रीय रन और वनडे में 400 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बनने का मौका होगा। यहां कुछ ऐसे रिकॉर्ड और मुकाम दिए गए हैं, जिन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों के दौरान रोहित शर्मा हासिल कर सकते हैं:

21 हजार इंटरनेशनल रन - रोहित 21 हजार इंटरनेशनल रन पूरे करने से बस 348 रन दूर हैं।



उन्होंने 517 इंटरनेशनल मैचों की 550 पारियों में 42.66 के औसत से 20,652 रन बनाए हैं। इसमें 52 शतक और 113 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 264 रन है। न्यूजीलैंड में एक शतक लगाते ही रोहित शर्मा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और शिखर धवन की उस सूची में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया इन सभी देशों में वनडे शतक लगाए हैं।

SENA देशों में 5,000 रन बनाने वाले पहले ओपनर - रोहित विदेश में एक बार फिर इतिहास रचने के करीब हैं। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में 5,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय ओपनर बनने से सिर्फ 36 रन दूर हैं। रोहित ने 114 मैचों की 123 पारियों में 44.32 के औसत से 4,964 रन बनाए हैं, जिसमें 17 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 171 है।

जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बनने के करीब - रोहित शर्मा ने 327 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 340 पारियों में जीत के दौरान 51.62 के औसत से 14,817 रन बनाए हैं। इसमें 42 शतक और 79 अर्धशतक शामिल हैं। 183 रन और बनाते ही वह जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। रिकी पोंटिंग (377 मैचों में 55 शतकों के साथ 20,140 रन), विराट कोहली (338 मैचों में 60 शतकों के साथ 18,589 रन) और सचिन तेंदुलकर (307 मैचों में 53 शतकों के साथ 17,113 रन) पहले ही इस क्लब का हिस्सा हैं।

वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज - रोहित शर्मा को वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज बनने के लिए 19 और छक्कों की जरूरत है। अभी उनके नाम वनडे में 381 छक्के दर्ज हैं। अगर वे 7 छक्के और लगा लेते हैं तो वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 700 छक्कों के आंकड़े तक भी पहुंच जाएंगे।

कोहली के पास वनडे में 7 रिकॉर्ड बनाने का मौका - भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में विराट कोहली लिस्ट ए में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। उन्हें वनडे रन-चेज में सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए 54 रन और चाहिए।

यशस्वी जायसवाल ने ठोकी धमाकेदार सेंचुरी

साई सुदर्शन फ्लॉप, देवदत्त पडिक्कल का नहीं खुला खाता



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड पहुंचकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन मैचों की सीरीज जारी है, जो कि अनाधिकारिक है। इसी के दूसरे मैच में यशस्वी जायसवाल ने धमाकेदार सेंचुरी ठोक दी है। हालांकि साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल का बल्ला नहीं चला। इस बीच भारत ने ?न्यूजीलैंड पर अच्छी बढ़त बना ली है।

यशस्वी जायसवाल ने 119 बॉल पर पूरी की अपनी सेंचुरी - यशस्वी जायसवाल ने भारत ए की ओर से खेलते हुए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की और अपना शतक पूरा किया। उन्होंने केवल 119 बॉल पर अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। खास बात ये रही कि अपने आक्रामक अंदाज में जायसवाल ने छक्का लगाकर इस मुकाम को हासिल किया। शतक लगाने के बाद जायसवाल और भी ज्यादा आक्रामक हो गए और अपनी बल्लेबाजी जारी रखी। इससे पहले इसी सीरीज के पहले मैच में वे पहली पारी में 17 और दूसरी में केवल 5 रन बनाकर आउट हो गए थे, इसके बाद उन पर सवाल उठने शुरू हो गए थे, जो अब कुछ कम जरूर होंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का ऐलान, इसी महीने होगा भारत से मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की ओर से एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच भी मुकाबला होना है। भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है। पाकिस्तानी टीम की कमान अब्दुल समद को दी गई है। इस टूर्नामेंट में जहां एक ओर भारत की ए टीम हिस्सा लेगी, वहीं पाकिस्तानी शाहीन्स भी खेलती हुई नजर आएगी। सभी की नजर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले पर होगी।

इस बार 50 ओवर का होगा एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट - अब्दुल समद को एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तानी टीम की कमान सौंपी गई है। ये टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट पर होगा, यानी 50 ओवर का मैच खेला जाएगा। पाकिस्तान ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। इसमें ज्यादातर ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम में हसन नवाज, हैदर अली, माज सदाकत,



शमील हुसैन और फरहान यूसुफ को भी शामिल किया गया है। टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद और सुफियान मुकीम के पास रहेगी।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम है डिफेंडिंग चैंपियन - इससे पहले पाकिस्तान शाहीन्स की टीम टी20 और वनडे फॉर्मेट वाला एशिया कप राइजिंग स्टार का? खिताब जीत चुकी है। साल 2023 में जब पिछली बार वनडे फॉर्मेट पर ये टूर्नामेंट हुआ था, तब पाकिस्तानी टीम ही चैंपियन बनी थी। इस बार पाकिस्तान को भारत, नेपाल और यूएई के ग्रुप में रखा गया है।

22 नवंबर को खेला जाएगा भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला

वैसे तो टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से हो जाएगा, लेकिन पाकिस्तानी टीम अपना पहला मैच 20 नवंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद आएगा सबसे बड़े मुकाबले का दिन। 22 नवंबर को भारत ए और पाकिस्तान शाहीन्स के बीच मैच होना है। इसके बाद टीम 25 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। दूसरे ग्रुप में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, हांगकांग और चीन की टीम में शामिल हैं। दोनों ग्रुप से दो टॉप की टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए **पाकिस्तान शाहीन्स की टीम :** अब्दुल समद (कप्तान), अहमद दानियाल, आकिफ़ जावेद, दानिश अजीज, फरहान यूसुफ, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद इमरान, रोहेल नजीर (विकेट कीपर), साद मसूद, शाहजैब खान, शमील हुसैन, सुफियान मुकीम।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए **भारत ए की टीम :** अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेट कीपर), तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उपकप्तान), रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), सूर्यांश शेडगे, शाहबाज अहमद, विप्रज निगम, हर्ष दुबे, तनुश कोटियन, हर्षित राणा, प्रिंस यादव, अरशद खान।

ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले कुल 286 मैच



नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इसके साथ ही उनके शानदार इंटरनेशनल करियर का अंत हो गया। मैक्सवेल ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग से खेल जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी और उन्हें व्हाइट-बॉल क्रिकेट में दुनिया के सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में गिना जाता था। वह हाल ही में ETPL में खेलते हुए नजर आए थे।

2012 में मैक्सवेल ने किया था इंटरनेशनल डेब्यू - ग्लेन मैक्सवेल ने साल 2012 में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अपनी ताबड़तोड़ और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर बहुत कम समय में ही क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम बनाने में कामयाब रहे। उन्होंने 149 वनडे मैचों में कुल 3990 रन बनाए, जिसमें 4 शानदार शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे में उनका खेलने का तरीका बेहद आक्रामक था और उनका स्ट्राइक रेट 126.71 का रहा। ह्यूस्टन में उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 201 रन रहा, जो उन्होंने साल 2023 के वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ एक मुश्किल समय में ऐतिहासिक पारी खेलते हुए बनाया था।

वनडे में मैक्सवेल का प्रदर्शन रहा शानदार - मैक्सवेल सिर्फ एक शानदार बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन ऑफ स्पिनर भी थे। उन्होंने वनडे में 77 और टी20 इंटरनेशनल में 51 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा फील्डिंग में भी उन्होंने कमाल किया था। उन्हें अपने दौर के सबसे बेहतरीन फील्डरों में गिना जाता था। टी20 क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने 130 मैचों में 2897 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं। इस फॉर्मेट में उनका स्ट्राइक रेट 154 से भी ज्यादा का था। वहीं टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 7 मैच खेलकर 1 शतक की मदद से कुल 339 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए वह कुल 286 इंटरनेशनल मैच खेलने में कामयाब रहे।

आईपीएल में भी कई फ्रेंचाइजी के लिए खेल चुके हैं मैक्सवेल - इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी ग्लेन मैक्सवेल का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। आईपीएल में भी मैक्सवेल का जलवा खूब देखने को मिला। उन्होंने आईपीएल में 141 मैच खेलकर 2819 रन बनाए। मैक्सवेल दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और आरसीबी जैसी बड़ी टीमों के लिए खेल चुके हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा रहे थे।

प्रेमा रावत ने तोड़ा पाकिस्तानी खिलाड़ी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

14 गेंदों में फिफ्टी जड़कर रचा इतिहास



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर प्रेमा रावत ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में उत्तराखंड टीम की तरफ से खेलते हुए प्रेमा ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 14 गेंदों में ही 50 रन ठोक डाले। इस तरह प्रेमा ने पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना का पुराना रिकॉर्ड तोड़कर यह नया कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है।

फातिमा सना ने 15 गेंदों में लगाया था अर्धशतक - इससे पहले महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड फातिमा सना के नाम था, जिन्होंने 15 गेंदों पर फिफ्टी बनाई थी। अब प्रेमा रावत ने सिर्फ 14 गेंदों में यह कमाल करके पूरी दुनिया में अपना और देश का नाम रोशन कर दिया है। आपको बता दें कि प्रेमा ने अपनी इस आतिशी पारी में 50 में से 48 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से ही बना डाले। प्रेमा ने इस पारी में 357.14 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और एक नया इतिहास रच दिया।

उत्तराखंड ने 89 रनों से जीता मुकाबला - मैच की बात करें तो, प्रेमा रावत की शानदार पारी की बदौलत उत्तराखंड की टीम ने 20 ओवरों में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद भी सिर्फ 98 रन ही बना पाई। इस तरह उत्तराखंड ने यह मैच 89 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। प्रेमा रावत के अलावा उत्तराखंड की तरफ से राघवी बिस्ट ने नाबाद 72 रन और करीना ने 44 रनों की बेहतरीन पारियां खेलीं। वहीं नीलम भारद्वाज ने 19 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद के खिलाफ इस मैच में प्रेमा रावत ने गेंदबाजी में भी अपने योगदान दिया। प्रेमा रावत ने इस मैच में 2 विकेट चटकाए। प्रेमा ने अपने 4 ओवर के कोटे में सिर्फ 12 रन देकर ये 2 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, निशा और सफीना को भी 2-2 विकेट मिले, जबकि पूजा राज और करीना ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

भारत के लिए 7 टी-20 मैच खेल चुकी हैं प्रेमा रावत - आपको बता दें कि प्रेमा रावत एक गेंदबाज हैं, वह एक स्पिन बॉलर हैं। लेकिन इस मैच में उन्होंने बल्लेबाजी में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। 24 साल की यह खिलाड़ी भारत के लिए अब तक 7 टी20 मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 7 विकेट भी लिए हैं। इसी साल जून में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, और हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

ICC ODI रैंकिंग में अफगानिस्तान ने पहली बार टॉप-6 में बनाई जगह

श्रीलंका-इंग्लैंड को छोड़ा पीछे, भारत नंबर 1 पर



नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम ने वनडे रैंकिंग में एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। साल 2009 में अपना पहला वनडे मैच खेलने वाली इस टीम ने पहली बार आईसीसी की वनडे रैंकिंग में टॉप-6 में जगह बना ली है। खास बात यह है कि बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने श्रीलंका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी पूर्व वर्ल्ड चैंपियन टीमों को पीछे छोड़ते हुए टॉप-6 में पहली बार जगह बनाने में कामयाब रही है। अफगानिस्तान ने पिछले महीने यूएई में वनडे ट्राई सीरीज जीती थी। हाल ही में इस टीम ने हांगकांग सुपर सिक्सेस का खिताब अपने नाम किया था।

अब तक 96 वनडे मैच जीत चुकी है टीम इंडिया - साल 2009 में वनडे क्रिकेट में कदम रखने के बाद से अफगानिस्तान ने इस फॉर्मेट में कुल 191 मैच खेले हैं, जिसमें से उसने 96 मैचों में जीत हासिल की है। इन 17 सालों के शानदार सफर और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ही आज अफगानिस्तान की टीम रैंकिंग में मजबूत स्थिति में पहुंच पाई है। दूसरी तरफ श्रीलंकाई टीम के भी रैंकिंग में 94 अंक हैं, लेकिन वह खिसककर सातवें स्थान पर आ गई है। श्रीलंका को लाहौर में हुई वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फाइनल से पहले भी उसे इंग्लैंड के हाथों 55 रनों से शिकस्त मिली थी। इसके अलावा, रैंकिंग में इंग्लैंड 93 अंकों के साथ आठवें, बांग्लादेश 81 अंकों के साथ नौवें और वेस्टइंडीज 79 अंकों के साथ दसवें स्थान पर है।

वनडे रैंकिंग में टॉप पर है टीम इंडिया - मेंस वनडे रैंकिंग में भारत पहले नंबर पर बना हुआ है और 115 अंकों के साथ टॉप पर है। भारत ने अपनी पिछली वनडे सीरीज घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली थी। अब उसे 4 नवंबर से न्यूजीलैंड में पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस रैंकिंग में न्यूजीलैंड 109 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि साउथ अफ्रीका (104 अंक) तीसरे, पाकिस्तान (104 अंक) चौथे और ऑस्ट्रेलिया (102 अंक) पांचवें नंबर पर हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा

वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीटें 34 हजार, आवेदन आए 84 लाख; जोहान्सबर्ग में मुकाबला

नई दिल्ली । वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं।

फाइनल के लिए भी 79 लाख आवेदन - टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। आईसीसी के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिट्रेशन हुए हैं।

21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे - वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है।

193 देशों से मिले 12 करोड़ आवेदन - आईसीसी को अब तक टूर्नामेंट के लिए 193 देशों से 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। साउथ अफ्रीका में होने वाले 41 मैचों के लिए ही 10.5 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान टीम के मैचों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन आए हैं।

24 साल बाद अफ्रीका में होगा वर्ल्ड कप - वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 12 वेन्यू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप के लिए 12 वेन्यू में से 8 साउथ अफ्रीका, 3 जिम्बाब्वे और 1 नामीबिया में है। नामीबिया पहली बार मेंस के सीनियर वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा।

'सुबह उठकर सोचता हूं आखिर इतनी मेहनत क्यों करूं'

टीम इंडिया से नजरअंदाज किए जाने पर छलका सरफराज खान का दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया से बाहर चल रहे घरेलू क्रिकेट के धुरंधर बल्लेबाज सरफराज खान ने एक बार फिर अपनी निराशा खुलकर जाहिर की है। रेलवे के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अब सुबह उठकर उनके मन में यही सवाल आता है कि जब टीम में मौका ही नहीं मिलना है, तो वह इतनी कड़ी मेहनत क्यों कर रहे हैं। सरफराज ने बताया कि वह रोज सुबह 5 बजे उठकर अपनी पुरानी रूटीन को फॉलो करते हैं। वह भारत के लिए खेल चुके हैं और मुंबई के लिए लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन फिर भी टीम में वापसी का इंतजार लंबा होता जा रहा है।



पिता से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा - न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से सरफराज ने बताया कि मुश्किल समय और निराशा के दौर में उनके पिता नौशाद खान ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा हैं। सरफराज का कहना है कि जब कभी उनके मन में यह सवाल उठता है कि वह इतनी मेहनत क्यों करें, तब वह अपने पिता को कड़ी मेहनत करते हुए देखते हैं। पिता को देखकर उन्हें फिर से मैदान पर उतरने और उनके लिए रन बनाने की प्रेरणा मिल जाती है। अपनी प्रैक्टिस के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी को उनसे मिलना हो तो उसे घर जाने की जरूरत नहीं है, वह सुबह 6 बजे सीधे आजाद मैदान या क्रॉस मैदान पहुंच जाए, सरफराज वहीं मिलेंगे।

चयनकर्ताओं को सिर्फ घरेलू पिचों के लिए उपयोगी लगती है मेरी सेवाएं- सरफराज

फरवरी 2024 में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज ने अब तक अपने सभी छह टेस्ट मैच देश में यानी घरेलू मैदानों पर ही खेले हैं। उन्होंने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि टीम मैनेजमेंट उनकी सेवाएं सिर्फ भारत की घरेलू पिचों पर ही देख रहा है, हालांकि चयनकर्ताओं ने उन्हें इस बारे में सीधे तौर पर कुछ नहीं बताया है। विदेशी दौरों पर मौका न मिलने पर हैरानी जताते हुए सरफराज ने साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के दौरों का जिक्र किया, जहां उन्होंने 'इंडिया ए' की तरफ से खेलते हुए अभ्यास मैचों में शानदार शतक जड़े थे।